मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शनिवार, 6 जून 2026

संवत 2083, अधिक ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा 6 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 262, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ भौतिक संसाधन प्रकृति के सौंदर्य को कर रहे नष्ट

हेमा मालिनी अब पहली बार लाइव स्टेज पर गाएंगी ◂◂ 6

रांची पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन

सांसदों-विधायकों के साथ करेंगे बैठक

संवाददाता

रांची: भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन अपने दो दिवसीय झारखंड दौरे पर आज रांची पहुंचे। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। रांची आगमन के बाद नितिन नवीन ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा, भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर और भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाशपति मिश्र की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद नितिन नवीन भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। प्रदेश कार्यालय में आयोजित स्वागत समारोह के बाद, राष्ट्रीय अध्यक्ष का दिन भर व्यस्त कार्यक्रम तय

है। वे पार्टी के सांसदों और विधायकों के साथ विशेष बैठक करेंगे। इसके बाद, दोपहर में प्रदेश कोर कमिटी के सदस्यों के साथ संगठनात्मक विषयों पर चर्चा करेंगे। दिन के अंतिम कार्यक्रम के रूप में, नितिन नवीन कार्निवल बैंक्वेट हॉल में प्रबुद्धजन संवाद कार्यक्रम में शामिल होंगे, जहां वे विभिन्न क्षेत्रों के प्रबुद्ध नागरिकों से सीधा संवाद करेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष के इस दौरे को राज्य में संगठन की मजबूती और आगामी रणनीतियों के दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इधर, नितिन नवीन प्रदेश संगठन की कमियों और खूबियों की दो दिनों तक पड़ताल करेंगे। लगातार दो विधानसभा चुनाव में बैक टू बैक हार का मुंह देखने वाले प्रदेश संगठन के नेताओं से वह इसका कारण जानना चाहेंगे।

रांची में ही पढ़ाई करने वाले नितिन नवीन को झारखंड बीजेपी की अच्छी समझ है, जिसके आधार पर वे संगठन को धार देने की कोशिश करेंगे। इस प्रवास को प्रदेश भाजपा ऐतिहासिक बनाने में जुटी है। इस संबंध में प्रदेश कार्यालय में व्यवस्था टोली बैठी, जिसने भावी कार्यक्रमों की तैयारी और उसकी समीक्षा की।

भूकंप के झटके से दहला हिमाचल, रिक्टर स्केल पर पांच रही तीव्रता

धर्मशाला: हिमाचल में आए भूकंप के झटकों से हिमाचल प्रदेश के कई जिलों में दहशत फैल गई। कांगड़ा, मंडी, सोलन, चंबा, हमीरपुर समेत अन्य क्षेत्रों में लोगों ने तेज कंपन महसूस किए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार रात्रि 10:04 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर पांच दर्ज की गई है तथा इसका केंद्र चंबा-धर्मशाला के सेंटर में आसपास बताया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश भूकंप के लिहाज से संवेदनशील जोन-5 में आता है। प्रदेश में समय-समय पर हल्के झटके महसूस होते रहते हैं, लेकिन शुक्रवार को आए झटकों की तीव्रता अपेक्षाकृत अधिक होने के कारण लोग घबराकर घरों और कार्यालयों से बाहर निकल आए। कई स्थानों पर कुछ समय तक दहशत का माहौल बना रहा। भूकंप के झटकों ने लोगों को 1905 के कांगड़ा भूकंप की याद भी दिला दी। फिलहाल किसी बड़े जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है।

अंडमान अपतटीय क्षेत्र में ऑयल इंडिया को बड़ी सफलता

ढूंढ निकाला प्राकृतिक गैस का दूसरा भंडार

एजेंसी

नई दिल्ली : सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड (ऑयल) ने अंडमान अपतटीय क्षेत्र में प्राकृतिक गैस का दूसरा महत्वपूर्ण भंडार खोजने में सफलता हासिल की है। इस खोज से सीमांत बेसिन क्षेत्र के भविष्य में एक महत्वपूर्ण हाइड्रोकार्बन उत्पादक केंद्र के रूप में उभरने की संभावनाएं और मजबूत हो गई हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह खोज विजयपुरम-3 अन्वेषण कुएं में हुई है। यह कुआं अंडमान द्वीप समूह के पूर्वी तट से लगभग 15 किलोमीटर दूर 355 मीटर गहरे समुद्री क्षेत्र में स्थित है। यह इस क्षेत्र में ऑयल इंडिया द्वारा खोदा गया दूसरा सफल गैस-युक्त कुआं है।

ऑयल इंडिया ने बीएसई और एनएसई को दी गई सूचना में बताया कि ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (ओएएलपी) के तहत ऑफशोर अंडमान ब्लॉक एएन-ओएसएचपी-2018/1 में इस कुएं की ड्रिलिंग की गई। कंपनी के अनुसार, इकोसेफ फॉर्मेशन में 1,900 मीटर

से अधिक गहराई पर स्थित इस कुएं की प्रारंभिक उत्पादन परीक्षण के दौरान लगातार फ्लेयरिंग से प्राकृतिक गैस की मौजूदगी की पुष्टि हुई।

कंपनी ने बताया कि परफोरेशन के बाद कुएं में दबाव तेजी से बढ़ा और गैस का प्रवाह शुरू हो गया। फिलहाल गैस के रासायनिक संघटन, कैलोरीफिक वैल्यू और उसके निर्माण की प्रक्रिया को समझने के लिए सैंपलिंग और आइसोटोप अध्ययन किए जा रहे हैं। ऑयल इंडिया के अनुसार, यह खोज क्षेत्र में हाइड्रोकार्बन स्रोत, उसके प्रवास मार्ग और संभावित भंडारों की मौजूदगी का महत्वपूर्ण संकेत देती है। इससे भविष्य की खोज और उत्पादन रणनीति तैयार करने में मदद मिलेगी।

गौरतलब है कि कंपनी ने सितंबर 2024 में भी विजयपुरम-2 कुएं में प्राकृतिक गैस की खोज की थी। अंडमान क्षेत्र में अब तक खोदे गए तीन अन्वेषण कुओं में से दो में हाइड्रोकार्बन की मौजूदगी की पुष्टि हो चुकी है, जो इस क्षेत्र की ऊर्जा संभावनाओं को नई मजबूती प्रदान करती है।

मोरबी में दर्दनाक सड़क हादसा

पांच की मौत, दो गंभीर कार के उड़े परखच्चे

एजेंसी

मोरबी (गुजरात) : मोरबी जिले में शुक्रवार रात एक भीषण सड़क हादसे में आम आदमी पार्टी (आप) के एक स्थानीय नेता समेत पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा मोरबी-हलवद हाईवे पर चराडवा गांव के पास रात करीब 9:30 बजे हुआ। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग अंदर फंस गए।

कैसे हुआ हादसा?

पुलिस के मुताबिक, सात लोग एक कार में सवार होकर हलवद तालुका के रांचोरगढ़ गांव से राजकोट जा रहे थे। कार में मौजूद 24 वर्षीय परेश धाधेया पहले एक बाइक दुर्घटना में घायल हो गए थे और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था। इसी दौरान चराडवा गांव के पास सड़क पार कर रहे एक डंपर ट्रक

से कार की जोरदार टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। कार में फंसे लोगों को निकालने के लिए भारी एक्सकेवेटर मशीन की सहायता लेनी पड़ी। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने देर रात राजकोट के अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि हादसे में घायल दो अन्य लोगों को गंभीर हालत में राजकोट के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन जारी, फाउंडर अभिजीत भी मौजूद

शिक्षा मंत्री इस्तीफा दो के लग रहे नारे

एजेंसी

नई दिल्ली : पेपर लीक और परीक्षा प्रणाली में कथित अनियमितताओं के विरोध में दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का प्रदर्शन जारी है। इस प्रदर्शन में सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के भी शामिल होने की संभावना है। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांग केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की है। यह प्रदर्शन सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके की अगुआई में हो रहा है। अभिजीत शनिवार सुबह अमेरिका से दिल्ली लौटे। वे एयरपोर्ट से सीधे प्रदर्शन करने पहुंचे।

दीपके नीट पेपर लीक विवाद और सीबीएसई से जुड़े कथित मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने इन मामलों में

जवाबदेही तय करने और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग उठाई है। प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। जंतर-मंतर से लेकर दिल्ली एयरपोर्ट तक अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शन के लिए आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद अनुमति प्रदान की गई।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि प्रदर्शन में शामिल होने वाले छात्रों और अन्य प्रतिभागियों से आवश्यक अंडरटेकिंग लेने के बाद अनुमति देने का फैसला किया गया। सभी जिलों, विशेषकर नॉर्थ, सेंट्रल, साउथ-ईस्ट और साउथ-वेस्ट दिल्ली के अधिकारियों को प्रदर्शनकारियों के आवागमन में सहयोग करने के निर्देश दिए गए हैं।

नई दिल्ली जिले में सुरक्षा व्यवस्था संभालने के लिए करीब 2,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। अधिकारियों को प्रदर्शनकारियों के साथ किसी भी तरह के टकराव से बचने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए जिले को 12 जोन में विभाजित किया गया है, जिनकी निगरानी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा की जाएगी। बता दें पुलिस ने शाम 5 बजे तक धरना देने की अनुमति दी है। दिल्ली पुलिस ने सभी जिला और यूनिट डीसीपी को आंतरिक अलर्ट जारी करते हुए राजधानी के कुछ हिस्सों में भारी भीड़, यातायात बाधित होने और कानून-व्यवस्था संबंधी चुनौतियों की आशंका से सतर्क रहने को कहा है।

रूस ने भारत को दिया एसयू-57 का ऑफर,पुतिन बोले-मिलकर करेंगे काम, कोई नहीं रोक सकता

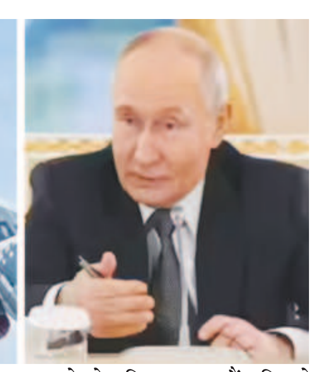

- ✔ पुतिन ने खुद किया ऐलान, भारत को दिया प्रस्ताव

एजेंसी

मास्को: पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान सुखोई-57 (एसयू-57) को लेकर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि रूस सुखोई-57 फिफ्थ-जेनरेशन स्टेल्थ फाइटर एयरक्राफ्ट प्रोग्राम पर भारत के साथ काम करने के लिए हमेशा तैयार है। उन्होंने कहा कि वह डिफेंस प्रोग्राम में सप्लाई और विकास दोनों में भारत का सहयोग करने के लिए तत्पर हैं, जिससे दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग और गहरा होगा। व्लादिमीर पुतिन ने दुनिया के अग्रणी समाचार एजेंसियों के प्रमुखों के साथ व्यापक बातचीत में यह बात कही है। पुतिन ने भारत के साथ रूस के रक्षा और सैन्य संबंधों का उल्लेख किया और ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों के संयुक्त विकास और संयुक्त उत्पादन का हवाला दिया। पुतिन ने यह भी संकेत दिया कि रूस ने भारत को पांचवीं पीढ़ी के सुखोई-57 लड़ाकू विमान के निर्माण पर संयुक्त रूप से काम करने का प्रस्ताव दिया है। भारत पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों की एक खेप खरीदने की प्रक्रिया में है।

ट्रक और महिंद्रा पिकअप गाड़ी के बीच हुई आमने-सामने की भीषण टक्कर

नौ लोगों की मौत, 15 गंभीर, मची अफरा-तफरी

- ✔ अस्थियां विसर्जित करने जा रहा था परिवार , मौत का आंकड़ा बढ़ने की आशंका

एजेंसी

नई दिल्ली: पंजाब के फिरोजपुर-फाजिल्का रोड पर शनिवार सुबह एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया है। यहाँ एक ट्रक और महिंद्रा पिकअप गाड़ी के बीच हुई आमने-सामने की भीषण टक्कर में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। यह दर्दनाक हादसा फिरोजपुर के जंगावाला गांव के पास हुआ।

शुरूआती जानकारी के मुताबिक, पिकअप गाड़ी में

सवार यात्री जलालाबाद इलाके के रहने वाले थे। वे अपने एक मृतक रिश्तेदार की अस्थियां विसर्जित करने के लिए ब्यास स्थित राधा स्वामी डेरा जा रहे थे। इस गाड़ी में लगभग 25 लोग सवार थे, जो आपस में रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। तभी रास्ते में जंगावाला गांव के समीप सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण कि मौके पर ही बिखर गई लाशें: चश्मदीदों के मुताबिक, दोनों गाड़ियों के बीच टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप वैन के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। अस्पताल में तोड़ा दम: घटना की सूचना मिलते ही इमरजेंसी सेवाएं मौके पर पहुंचीं और घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहाँ इलाज के दौरान चार अन्य लोगों की भी मौत हो गई।

घायलों की हालत नाजुक, मौत का आंकड़ा बढ़ने की आशंका: हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सभी घायलों को फिरोजपुर के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक, घायल हुए 15 से अधिक लोगों में से कईयों की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। गंभीर स्थिति को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि मरने वालों का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है।

जांच में जुटी पुलिस: स्थानीय पुलिस ने इस दर्दनाक हादसे के संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस इस बात का पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हादसा किस गाड़ी की लापरवाही या तेज रफ्तार के कारण हुआ। इस दुखद घटना के बाद से मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया है और पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है।

आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का एलान

श्रेयस अय्यर कप्तान, वैभव सूर्यवंशी इंटरनेशनल डेब्यू के लिए तैयार

- ✔ नये टी20 कप्तान
- ✔ 1 जुलाई से शुरू होगा इंग्लैंड दौरा
- ✔ 5 टी20 और 3 वनडे मैच होंगे

एजेंसी

नई दिल्ली: भारतीय क्रिकेट टीम इस महीने के अंत में आयरलैंड का दौरा करेगी इसके बाद टीम इंग?लैंड जाएगी। भारत को 26 जून से आयरलैंड के विरुद्ध उनके घर में दो टी-20 और एक जुलाई से इंग्लैंड में पांच टी-20 मैचों की सीरीज खेलनी है। इसके बाद टीम इंडिया 14 जुलाई से इंग्लैंड में ही तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलेगी।

इन सीरीज के लिए बीसीसीआई ने आज, शनिवार को भारतीय टीम का एलान किया गया। आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरे के अलावा जापान में होने वाले

एशियाई खेलों और श्रीलंका के दौरे (बहुदिवसीय मैच) के लिए टीम इंडिया की टी20कटीम की घोषणा की गई। इससे पहले मेंस सेलेक?शन कमेंटी की बैठक मुंबई स्थित बीसीसीआई मुख्यालय में हुई।

आयरलैंड दौरा
पहला टी20: 26 जून
दूसरा टी20: 28 जून
भारत का इंग?लैंड दौरा
पहला टी20: 1 जुलाई
दूसरा टी20: 4 जुलाई
तीसरा टी20: 7 जुलाई
चौथा टी20: 9 जुलाई
पांचवां टी20: 11 जुलाई
वनडे शेड्यूल
पहला वनडे: 14 जुलाई
दूसरा वनडे: 16 जुलाई
तीसरा वनडे: 19 जुलाई
आयरलैंड दौरे के लिए

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक, संजू, ईशान, शिवम दुबे, तिलक वर्मा, नीतीश रेड्डी, अक्षर, सुदंर, वरुण , रवि, सिराज, वैभव सूर्यवंशी

न्यूज IN ब्रीफ

ग्राम सभा में सहायक सचिव व सक्रिय महिला सदस्य का हुआ चुनाव

सिल्ली : शुक्रवार को सिल्ली प्रखंड अंतर्गत हालमाद पंचायत के हालमाद दुर्गा मंदिर परिसर में सहायक सचिव एंव सक्रिय महिला सदस्य का चुनाव को लेकर ग्राम सभा आयोजित की गईं । ग्राम सभा की बैठक में उपस्थित लोगों के बहुमत से सहायक सचिव मिथुन राजवार एंव सक्रिय महिला सदस्य सुनीता देवी को चुना गया। ये दोनों अब पीईसीए कानून और पंचायती राज में अहम रोल निभाएंगे। इन दोनों के जिम्मे ग्राम सभा की बैठक का मिनट्स लिखना, प्रस्ताव और उपस्थिति रजिस्टर मेंटेन करना, सरकारी योजनाओं की लिस्ट और लाभुकों का रिकॉर्ड रखना, मनरेगा, आवास, पेंशन के फॉर्म भरने में मदद करना के अलावा ग्राम सभा और पंचायत के बीच कड़ी बनेगें। इस मौके पर ग्राम प्रधान चन्द्रभूषण सिंह मुंडा पंचायत के मुखिया माया देवी ,वार्ड सदस्य संतोष मंडल ,बिशेश्वर महतो, मीणा देवी ,स्वयंसेवक लगनु महतो समेत सैकड़ों गांव के महिला- पुरुष मौजूद थे।

पेड़ लगाने के नाम पर भाजपा का दोहरा चरित्र हुआ उजागर : विजय शंकर नायक

रांची : एक पेड़ मां के नाम लगाने की अपील करने वाली भाजपा बताए कि 2014 से 2024 के बीच 1.73 लाख हेक्टेयर वन भूमि किसके नाम कर दी गई? उपरोक्त बाते आज झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमिटि के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने विश्व पर्यावरण दिवस पर भाजपा के एक पेड़ मां के नाम पौधा लगाने केअभियान पर कही। इन्होंने साफ शब्दों में कहा कि भाजपा पेड़ लगाने के नाम पर नौंटकी कर रही है। आज देश के सामने सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि एक तरफ पर्यावरण संरक्षण के नाम पर भाजपा नेताओ द्वारा अभियान चलाए जा रहा है वहीं दूसरी तरफ देश के जंगल लगातार सिकुड़ रहे हैं। संसद में प्रस्तुत सरकारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2014 से 2024 के बीच 1.73 लाख हेक्टेयर से अधिक वन भूमि को गैर-वन कार्यों के लिए डायवर्ट करने की अनुमति दी गई। इनमें खनन, औद्योगिक परियोजनाएं, सड़क निर्माण और अन्य विकास कार्य शामिल वहीं अंतरराष्ट्रीय संस्था के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2001 से 2024 के बीच भारत में 23 लाख हेक्टेयर से अधिक वृक्ष आवरणसमाप्त हुआ है। एक पेड़ मां के नाम पर अभियान चलाकर भाजपा नौंटकी कर देश की जनता को गुमराह करने का कार्य कर रही है ।

इटखोरी में वज्रपात से महिला की मौत

चतरा : जिले के इटखोरी थाना क्षेत्र में शुक्रवार की रात 8:30 बजे आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चतरा सदर अस्पताल भेज दिया है। मामला इटखोरी थाना क्षेत्र के खौराकला गांव का है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रेखा देवी (40 वर्ष) पति छतरु भुइयां शाम के समय खेत में काम करने गई थीं। थाना प्रभारी अभिषेक सिंह ने मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि अचानक मौसम बदलने और आकाशीय बिजली गिरने से महिला की मौत हुई है। मृतका के भतीजे संजय भुइयां ने बताया कि खेत में काम करने के दौरान यह हादसा हुआ। इस घटना के बाद से ही पूरे परिवार और गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है तथा परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सदर अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ सत्येंद्र सिंहा ने बताया कि मृतक को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लाया गया है।

एसआईआर को लेकर राजनीतिक दलों के साथ डीसी ने की बैठक

रांची : उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय स्थित उपायुक्त सभागार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में हटिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक नवीन जायसवाल, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी तथा जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों के निवार्ची निबंधन पदाधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत अनमैप्ड मतदाताओं की मैपिंग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 06 एवं 07 जून को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर आयोजित होने वाले विशेष शिविर की विस्तृत जानकारी दी गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अधिकाधिक मतदाताओं को शिविर तक पहुंचाने एवं मैपिंग कार्य में सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया गया।

मंजूनाथ भजन्त्री ने बताया कि रांची जिले के सभी मतदान केंद्रों पर 06 एवं 07 जून 2026 को प्रातः 08:00 बजे से संध्या 04:00 बजे तक विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। जनगणना कार्य में प्रतिनियुक्त बीएलओ सुबह 08:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहकर मतदाताओं की मैपिंग का कार्य संपादित करेंगे।

बैठक के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को अपने-अपने बूथ लेवल एजेंट-2 का नाम शीघ्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। साथ ही बीएलओ के साथ समन्वय स्थापित कर विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को प्रभावी बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया गया।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से विशेष शिविर की जानकारी आम मतदाताओं तक पहुंचाने तथा पात्र मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक लाने में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता एवं पारदर्शिता लोकतंत्र की मजबूती का आधार है और इस दिशा में सभी संबंधित पक्षों की सहभागिता आवश्यक है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

चतरा : नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को विकास भवन परिसर के पीछे स्थित हरलाल तालाब के समीप पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण के विस्तार तथा जनसामान्य को पौधरोपण के प्रति प्रेरित करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त रवि आनंद शामिल हुए। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, जिला योजना पदाधिकारी शिशिर कुमार पंडित, डीआरडीए निदेशक अलका कुमारी, प्रधान सहायक डीआरडीए सुशील कुमार एवं सहायक परियोजना पदाधिकारी डीआरडीए प्रदीप कुमार सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों एवं अधिकारियों द्वारा पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। साथ ही वृक्षों के संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व पर बल देते हुए अधिकाधिक पौधे लगाने तथा उनके समुचित संरक्षण के लिए लोगों को प्रेरित किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त रवि आनंद ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। वृक्ष न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायक हैं, बल्कि स्वच्छ वायु, जल संरक्षण तथा जैव विविधता के संवर्धन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आमजन से पौधारोपण को जन आंदोलन का स्वरूप देने तथा प्रत्येक व्यक्ति को कम-से-कम एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण का दायित्व निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित चतरा के निर्माण हेतु सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया गया तथा सभी उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

वुशु खिलाड़ी तनुश्री एशियन गेम्स के फाइनल सिलेक्शन ट्रायल में भाग लेने श्रीनगर रवाना

मेट्रो रेज

रांची : झारखण्ड की प्रतिभाशाली वुशु खिलाड़ी कुमार तनुश्री आगामी एशियन गेम्स के फाइनल चयन ट्रायल में भाग लेने हेतु श्रीनगर के लिए रवाना हो गई हैं। यह चयन ट्रायल भारतीय टीम के लिए एशियन गेम्स में भागीदारी हेतु अंतिम चरण का महत्वपूर्ण ट्रायल है।

कुमारी तनुश्री इससे पूर्व भी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं सहित विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं, यूनिवर्सिटी गेम्स एवं फेडरेशन कप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पदक जीत चुकी हैं। अपनी निरंतर उत्कृष्ट उपलब्धियों के आधार पर वे पहले ही देहरादून एवं मेरठ में आयोजित चयन ट्रायल में चयनित हो चुकी हैं।

उनकी इस उपलब्धि पर झारखंड ओलम्पिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ मधुकांत पाठक सहित झारखंड वुशु एसोसिएशन के पदाधिकारियों शैलेन्द्र दुबे, चंचल भट्टाचार्य, सुनील सूर्यात, उदय साहू, विभूति भूषण अमर,डॉ अंशु साहू, डॉ उदीप लाल, मनोज कुमार महतो,शैलेन्द्र कुमार, प्रियदर्शी अमर,मिथिलेश साहू, डॉ कविता सिंह,मनोज साहू, सुनील यादव, रत्नेश कुमार, रंजीत कुमार, अनिका

सिंह, अमासी बारला, संजय मंडल, अमरेंद्र दत्त द्विवेदी, शिवेंद्र दुबे, शशिकांत पांडे, गोकुलानंद मिश्र व अन्य ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

सभी पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि तनुश्री श्रीनगर में आयोजित फाइनल चयन ट्रायल में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम में अपना स्थान सुनिश्चित करेंगी और झारखण्ड एवं देश का नाम गौरवान्वित करेंगी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पुलिस ने चलाया पौधरोपण अभियान

संवाददाता

खूंटी: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक खूंटी के नेतृत्व में पुलिस लाइन, खूंटी में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया तथा सभी पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनके संरक्षण का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर पुलिस लाइन परिसर में विभिन्न प्रकार के छायादार एवं फलदार पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों, जवानों एवं कर्मियों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल

और संरक्षण का संकल्प लिया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। पौधरोपण से न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण का निर्माण भी होता है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, हरित एवं स्वच्छ वातावरण को प्रोत्साहित करना तथा सामूहिक सहभागिता के माध्यम से प्रकृति संरक्षण का सकारात्मक संदेश देना था। पुलिस ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं हरित खूंटी के निर्माण के लिए भविष्य में भी जन-जागरूकता अभियान एवं पौधरोपण कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर जारी रहेगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर विकास भारती ने किया जागरूकता रैली का आयोजन

संवाददाता

खूंटी: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जन शिक्षण संस्थान विकास भारती, खूंटी के तत्वावधान में पर्यावरण जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का उद्देश्य आम लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा प्रकृति के संरक्षण के लिए प्रेरित करना था। रैली भगत सिंह चौक से प्रारंभ होकर बिरसा कॉलेज परिसर तक निकाली गई, जिसमें 100 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण से जुड़े संदेशों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। वहीं, तोरपा उप-प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षक मनोज कुमार नाग के मार्गदर्शन में प्रशिक्षणार्थियों द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस विषय पर चित्रकला एवं भाषण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत जन शिक्षण संस्थान खूंटी की निदेशिका बबीता शर्मा के संबोधन से हुई। उन्होंने पर्यावरण के बढ़ते संकट पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार या संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। रैली के उपरांत आयोजित सभा में प्रोग्राम ऑफिसर सुब्रत सेन प्रधान, एपीओ कुमार शशि प्रकाश, संकल्प संस्थान के निदेशक राजेश कुमार महतो एवं सीएसएस सेंटर की ट्रेनर रूपांजलि कुमारी ने अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने वृक्षारोपण, प्लास्टिक के उपयोग में कमी तथा जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जोर दिया। कार्यक्रम में सीएसएस संस्थान की निदेशिका ज्योति सांगा एवं नॉलेज हब की ट्रेनर अदिति बोदरा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में जन शिक्षण संस्थान खूंटी की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर प्रोग्राम ऑफिसर सुब्रत सेन प्रधान, एपीओ कुमार शशि प्रकाश, अकाउंटेंट निकुंज टोपनो, एमआईएस प्रभारी राजीव कुमार, मोबिलाइजर मारिया होरा तथा ऑफिस असिस्टेंट दसाय नाग सहित संस्थान के अन्य सदस्य मौजूद थे। विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित इस जागरूकता रैली ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में सकारात्मक संदेश पहुंचाने का कार्य किया।

झारखंड जगुआर परिसर में किया गया पौधरोपण

रांची : विश्व पर्यावरण दिवस पर झारखंड जगुआर के टेण्डरग्राम परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस महानिरीक्षक (झारखंड जगुआर) अनूप बिरथरे, पुलिस उप-महानिरीक्षक इंद्रजीत माहथा सहित वरिष्ठ अधिकारियों एवं जवानों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक अनूप बिरथरे ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है और वृक्षारोपण प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं जवानों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया।ढउन्होंने कहा कि झारखंड जगुआर द्वारा विगत कई वर्षों से पर्यावरण दिवस के अवसर पर नियमित रूप से वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप परिसर पूरी तरह हरियाली से आच्छादित हो चुका है। संस्था की स्थापना के पिछले 18 वर्षों में परिसर में लाखों पौधे लगाए गए हैं, जिससे न केवल हरित आवरण बढ़ा है बल्कि भू-जल स्तर में भी सुधार हुआ है। यह परिसर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण के माध्यम से बंजर भूमि को हरित क्षेत्र में परिवर्तित करने का एक उदाहरण बन गया है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी अधिकारियों एवं जवानों ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं हरित वातावरण के निर्माण हेतु सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। झारखंड जगुआर ने भविष्य में भी पर्यावरण संरक्षण से जुड़े जन-जागरूकता एवं पौधरोपण कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

आम उत्सव-सह-क्रेता-विक्रेता सम्मेलन

उत्कृष्ट गुणवत्ता और स्वाद के कारण खूंटी के आमों को मिली विशेष पहचान

राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय बाजार से जोड़ने पर जोर

संवाददाता

खूंटी : समाहरणालय सभागार में ग्रामीण विकास विभाग, झारखंड सरकार के अंतर्गत झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) द्वारा बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत आम उत्सव-सह-क्रेता-विक्रेता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त मो० जावेद हुसैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस दौरान आयोजित आम प्रदर्शनी कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रही, जिसमें जिले के किसानों एवं किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) ने विभिन्न प्रजातियों के आमों का प्रदर्शन किया। उपायुक्त ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर किसानों से आम उत्पादन, गुणवत्ता, विपणन और बाजार की संभावनाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि खूंटी में उत्पादित आम अपनी उत्कृष्ट गुणवत्ता और स्वाद के कारण विशेष पहचान रखता है। किसानों को संगठित कर बेहतर विपणन व्यवस्था, ब्रांडिंग और मूल्य संवर्धन से जोड़ने की आवश्यकता है, ताकि यहां के आम राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक अपनी मजबूत पहचान बना सकें।

प्रदर्शनी में किसानों ने मालदा, आम्रपाली, लंगड़ा सहित कई लोकप्रिय एवं उन्नत किस्मों के आम प्रदर्शित किए। विभिन्न स्टॉलों पर आम की विशेषताओं, उत्पादन तकनीकों और बाजार संभावनाओं से संबंधित जानकारी भी साझा की गई। प्रदर्शनी में पहुंचे खरीदारों और आगंतुकों ने आम की गुणवत्ता एवं विविधता की सराहना की। सम्मेलन को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एफपीओ किसानों को बाजार से जोड़ने, उत्पादों का उचित मूल्य दिलाने और कृषि आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण के लिए प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने तथा स्थानीय उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करने पर बल दिया। उन्होंने किसानों से आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने, सामूहिक रूप से कार्य करने तथा एफपीओ से जुड़कर अपनी आय बढ़ाने का आह्वान किया। साथ ही क्रेता-विक्रेता सम्मेलन को किसानों और खरीदारों के बीच सीधा संवाद स्थापित करने तथा बेहतर विपणन अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यक्रम में प्रवीण कुमार प्रकाश, मनीषा कुमारी, परियोजना निदेशक मनरेगा सहित अन्य पदाधिकारी, बड़ी संख्या में किसान, एफपीओ प्रतिनिधि एवं खरीदार उपस्थित रहे।

रिम्स लैंड स्कैम : आरोपी राजकिशोर बड़ाइक को जमानत देने से कोर्ट का इनकार, याचिका खारिज

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : रांची के चर्चित रिम्स लैंड स्कैम मामले में आरोपी राजकिशोर बड़ाइक को बड़ा झटका लगा है। एसीबी(भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो) की विशेष अदालत ने उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट के इस फैसले के बाद फिलहाल राजकिशोर बड़ाइक को जेल में ही रहना होगा। इससे पहले जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। शुक्रवार को कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए जमानत देने से इंकार कर दिया। मामला सामने आने के बाद हाईकोर्ट ने इस पूरे प्रकरण को गंभीरता से लिया था। इसके बाद एसीबी ने कार्रवाई तेज करते हुए अप्रैल महीने में राजकिशोर बड़ाइक, कार्तिक बड़ाइक समेत चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसी का आरोप है कि रिम्स की अधिग्रहित सरकारी जमीन को फर्जी दस्तावेजों के जरिए निजी जमीन दिखाकर उसकी खरीद-बिक्री की गई।

फर्जी वंशावली बनाकर बेची गई सरकारी जमीनः एसीबी की जांच में सामने आया है कि इस पूरे खेल में फर्जी वंशावली और नकली दस्तावेजों का सहारा लिया गया। आरोप है कि जिन जमीनों का अधिग्रहण वर्ष 1964-65 में हो चुका था और जो सरकारी रिकॉर्ड में रिम्स की संपत्ति थीं, उन्हें निजी जमीन बताकर बेचने की साजिश रची गई। जांच एजेंसी के अनुसार भू-माफियाओं ने दस्तावेजों में हेरफेर कर जमीन पर दावा जताया और बाद में उसे बिल्डरों को बेच दिया।

16 सरकारी अधिकारी-कर्मचारी भी जांच के घेरे मेंः इस मामले में सिर्फ भू-माफिया ही नहीं, बल्कि कई सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। एसीबी की जांच में 16 सरकारी अधिकारी और कर्मचारी रडार पर बताए जा रहे हैं। जांच एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि फर्जी दस्तावेज तैयार करने, रिकॉर्ड में बदलाव करने और जमीन की खरीद-बिक्री की प्रक्रिया में किन-किन लोगों की भूमिका रही।

चार मुख्य आरोपी पहले ही हो चुके हैं गिरफ्तारः अब तक की कार्रवाई में एसीबी ने फर्जी वंशावली तैयार करने के आरोप में कार्तिक बड़ाइक, राजकिशोर बड़ाइक, चेतन कुमार और राजेश कुमार झा को गिरफ्तार किया है। जांच में मिले दस्तावेजों और साक्ष्यों के आधार पर एजेंसी आगे की कार्रवाई कर रही है। आने वाले दिनों में और लोगों से पूछताछ या गिरफ्तारी की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा है।

31 लाख में बिल्डरों को बेच दी गई थी जमीनः एसीबी के मुताबिक, रिम्स की करीब सात एकड़ अधिग्रहित जमीन को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर निजी संपत्ति बताकर बिल्डरों को लगभग 31 लाख रुपये में बेच दिया गया था। जांच एजेंसी का मानना है कि यह सिर्फ जमीन की अवैध बिक्री का मामला नहीं, बल्कि सरकारी संपत्ति को हड़पने की सुनियोजित साजिश थी। इसी आधार पर एसीबी ने कांड संख्या 1/2026 दर्ज कर मामले की जांच शुरू की थी। रिम्स लैंड स्कैम को राज्य के चर्चित भूमि घोटालों में से एक माना जा रहा है। जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे नए तथ्य सामने आ रहे हैं। एसीबी अब इस बात की भी जांच कर रही है कि इस पूरे नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल थे तथा सरकारी जमीन की खरीद-बिक्री से किसे फायदा पहुंचा। फिलहाल अदालत से जमानत नहीं मिलने के बाद राजकिशोर बड़ाइक की मुश्किलें और बढ़ गई हैं, जबकि एसीबी मामले की तह तक पहुंचने के लिए जांच जारी रखे हुए है।

भांगड़ बम विस्फोट मामला : फरार चल रहे टीएमसी के पूर्व विधायक गिरफ्तार

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः एनआईए की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बम विस्फोट मामले में फरार चल रहे टीएमसी के पूर्व विधायक को गिरफ्तार कर लिया। एनआईए की टीम ने पश्चिम बंगाल के चर्चित भांगड़ बम विस्फोट मामले में यह कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने मामले के मुख्य संदिग्ध और फरार चल रहे पूर्व विधायक शौकत मोल्ला को दक्षिण 24 परगना जिले से गिरफ्तार कर लिया है।

चुनाव से पहले बम बनाते समय हुआ था धमाकाः एनआईए की जांच के मुताबिक, यह मामला पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले का है। जब अवैध रूप से क्रूड बम (कच्चा बम) बनाने के दौरान एक जोरदार विस्फोट हुआ था। इस धमाके में बम बनाने वाले एक शख्स की मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

साजिश रचने और सबूत मिटाने का आरोपःशौकत मोल्ला इस पूरे मामले में चौथे आरोपी हैं जिन्हें गिरफ्तार किया गया है। एनआईए की तफ्तीश में यह बात सामने आई है कि पूर्व विधायक ही इस पूरी साजिश के मुख्य सूत्रधार थे। उन्होंने ही अन्य आरोपियों को बम बनाने के निर्देश दिए थे। यही नहीं, विस्फोट होने के बाद कानून के शिकंजे से बचने के लिए मोल्ला ने आरोपियों को घटनास्थल से सबूत मिटाने और दृश्य के साथ छेड़छाड़ करने का भी आदेश दिया था।

कड़ियों को जोड़कर हुई गिरफ्तारीः शौकत मोल्ला की गिरफ्तारी एनआईए की लगातार छापेमारी और सघन तलाशी अभियान के बाद मुमकिन हो सकी है। इससे ठीक पहले एजेंसी ने एक और आरोपी को दबोचा था। जिसने विस्फोट के बाद मारे गए व्यक्ति और घायलों को अपनी स्कॉर्पियो गाड़ी में छिपाकर ठिकाने लगाने का काम किया था। उसी से मिली लीड के आधार पर पूर्व विधायक को भी गिरफ्तार लिया गया।

जांच का दायरा बढ़ाः गृह मंत्रालय भारत सरकार के आदेश पर इस संवेदनशील मामले की कमान राज्य पुलिस से लेकर एनआईए को सौंपी गई थी। एनआईए के अधिकारियों का कहना है कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ की जा रही है ताकि इस बम विस्फोट के पीछे छिपी किसी बड़ी राजनीतिक या आपराधिक साजिश का पूरी तरह पदार्फाश किया जा सके।

हरमू नदी किनारे बुलडोजर कार्रवाई को लेकर लोगों में आक्रोश, दोहरे मापदंड पर उठे सवाल

(गुलाम शाहिद)

रांचीः हरमू नदी किनारे प्रस्तावित अतिक्रमण हटाओ अभियान और बुलडोजर कार्रवाई की चचाओं के बीच हिंदपीढ़ी एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों में चिंता और नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा है कि यदि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाती है तो उसका पैमाना सभी के लिए समान होना चाहिए। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि वर्षों से नदी किनारे बसे गरीब और मेहनतकश परिवारों को निशाना बनाया जा रहा है, जबकि बड़े-बड़े भवनों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और प्रभावशाली लोगों द्वारा किए गए कथित अतिक्रमण पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई दिखाई नहीं देती। लोगों ने पूछा है कि आखिर मापी और कार्रवाई का पैमाना क्या है तथा इसे किस आधार पर लागू किया जा रहा है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि प्रशासन पहले सार्वजनिक रूप से सर्वेक्षण और

मापी की पूरी रिपोर्ट जारी करे तथा यह स्पष्ट करे कि किन मानकों के आधार पर अतिक्रमण चिन्हित किया गया है। उनका कहना है कि यदि कानून का पालन करना है तो अमीर और गरीब सभी पर समान रूप से लागू होना चाहिए। हरमू नदी किनारे रहने वाले लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि कार्रवाई में भेदभाव किया गया और केवल गरीब परिवारों को ही निशाना बनाया गया तो इसके खिलाफ व्यापक जनआंदोलन शुरू किया जाएगा। लोगों का कहना है कि वे विकास और नदी संरक्षण के विरोधी नहीं हैं, लेकिन न्यायपूर्ण और पारदर्शी कार्रवाई चाहते हैं।

निवासियों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि किसी भी कार्रवाई से पहले प्रभावित परिवारों के पुनर्वास, वैकल्पिक व्यवस्था और मानवीय पहलुओं पर गंभीरता से विचार किया जाए ताकि किसी भी परिवार को बेघर होने की स्थिति का सामना न करना पड़े।

मत्स्य निदेशालय में पौधरोपण

हरी–भरी वसुधा का करे श्रृंगार , पर्यावरण से करें प्यारः अमरेंद्र कुमार

रांचीः विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मत्स्य निदेशालय की ओर से मत्स्य किसान प्रशिक्षण केंद्र, शालीमार (धुर्वा) में पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर मत्स्य निदेशालय के निदेशक अमरेंद्र कुमार ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए परिसर में छायादार, फलदार और औषधीय पौधे लगाए। मौके पर निदेशक ने अपने संदेश में कहा कि पेड़ पौधे हमें जीवनदायिनी आक्सीजन प्रदान करते हैं। इसलिए इसकी देखभाल जरूरी है। उन्होंने हरी-भरी वसुंधरा का श्रंगार करने व पर्यावरण से प्यार करने की अपील की। इस अवसर पर उप निदेशक संजय कुमार गुप्ता, उप निदेशक शंभू प्रसाद यादव, मुख्य अनुदेशक प्रशांत कुमार दीपक सहित निदेशालय के अन्य पदाधिकारी व कर्मचारी गण उपस्थित थे।

जेपीएससी सिविल जज 2023 के पीटी परीक्षा का रिजल्ट जारी

मेट्रो रेज

रांचीः जेपीएससी यानी झारखंड लोक सेवा आयोग ने सिविल जज (जूनियर डिवीजन) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा 2023 का संशोधित परिणाम जारी कर दिया है। यह परिणाम सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद तैयार की गई संशोधित आंसर-की के आधार पर प्रकाशित किया गया है। अभ्यर्थी आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना रिजल्ट देख सकते हैं।

आयोग की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 10 मार्च 2024 को आयोजित सिविल जज (जूनियर डिवीजन) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा (विज्ञापन संख्या-22/2023) का संशोधित परीक्षाफल सुप्रीम कोर्ट में लंबित एसएलपी (सिविल) संख्या-21079/2025 और अन्य संबंधित मामलों में 9 फरवरी 2026 को पारित आदेश के आलोक में तैयार किया गया है। बताया गया है कि कोर्ट के निर्देश के बाद परीक्षा की उत्तर कुंजी में आवश्यक संशोधन किए गए। इसके बाद नई आंसर-की के आधार पर परिणाम तैयार कर आयोग की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है।

जेपीएससी ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि परिणाम में किसी प्रकार की त्रुटि या टंकण संबंधी गलती सामने आती है तो उसमें सुधार करने का अधिकार आयोग के पास सुरक्षित रहेगा।

हाईकोर्ट में लंबित मामलों के फैसले पर निर्भर करेगी आगे की प्रक्रियाः आयोग ने कहा है कि यह परीक्षा और उसका परिणाम झारखंड हाईकोर्ट में लंबित विभिन्न मामलों के अंतिम निर्णय से प्रभावित होगा। इनमें सिविल रिव्यू (फाइलिंग) संख्या-1736/2026, डब्ल्यूपी (एस) संख्या-6602/2024 में सुलोचना कुमारी बनाम झारखंड राज्य एवं अन्य, डब्ल्यूपी (एस) संख्या-169/2025 में रामेश्वर सिंह बनाम झारखंड राज्य एवं अन्य समेत अन्य समरूप मामले शामिल हैं। ऐसे में अभ्यर्थियों को आगे की प्रक्रिया और न्यायालय से जुड़े अपडेट के लिए आयोग की वेबसाइट पर नजर बनाए रखने की सलाह दी गई है।

वेबसाइट पर उपलब्ध है प्रेस विज्ञप्तिः जेपीएससी ने बताया कि संशोधित परिणाम के साथ प्रेस विज्ञप्ति भी आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है, जहां अभ्यर्थी विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

एक्वा वर्ल्ड में सुपर मॉडल प्रतियोगिता

शिवानी ने जीता रांची के मिस सुपर मॉडल और अंकित ने मिस्टर सुपर मॉडल का खिताब

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः एक्वा वर्ल्ड, मछली घर और वैमस मॉडलिंग ग्रुप द्वारा आयोजित किये गये सुपर मॉडल प्रतियोगिता का आज फाइनल था। चार शुरूआती राउंड से क्वालीफाई करके पार्टिसिपेंट ने आज फाइनल तक का सफर तय किया। फाइनल में जज के रूप में जयंत मिश्रा और साधना उपस्थित थे । फाइनल तक पहुंचने वाली लड़कियों में अंकिता, शालिनी मिंज, रोजलिन खलखो, अमृता टोप्पो, सोनल नाग, अदिति प्रिया, काजल कुमारी, रानी गोसाई, अंजू सिंह, शिवानी परमार, सोनी मेहरा और लड़कों में गोविंद दास, अनस रहमान, अर्शी अली, अराश हुसैन, अनयुश सिंह, आदिल लोढ़ी, अंकित पांडेय, रागिब नदीम प्रमुख थे।

उपस्थित फीमेल और मेल मॉडल्स ने रैंप पर जबरदस्त कैटवॉक किया। फैशन का जलवा

गीत पर उनका कैटवॉक देखते बनता था। फिर बारी थी क्वेश्चन एंड आंसर राउंड की। जजों ने मॉडलों से अलग-अलग क्षेत्र से संबंधित और उनकी रुचि से संबंधित प्रश्न पूछे। सबसे अच्छा कैट वॉक कर और सबसे उम्दा जवाब देकर शिवानी ने मिस सुपर मॉडल का खिताब जीता जबकि मेल कैटेगरी में यह खिताब अंकित को मिला।

मिस सुपरमॉडल की विजेता - शिवानी कुमारी, प्रथम उपविजेता - अंजू सिंह, द्वितीय उपविजेता - अमृता टोप्पो।

मिस्टर सुपरमॉडल के विजेता - अंकित पांडेय, प्रथम उपविजेता - अनुश सिंह, द्वितीय उपविजेता - अनस रहमान। विजेताओं को एक्वा वर्ल्ड द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर एक्वा वर्ल्ड ग्रुप समूह के चेयरमैन प्रतुल शाह देव, वसीम आलम, श्वेता, आसिफ, अंशु, आनंद ,जीतू आदि उपस्थित थे।

जनगणना में डाक विभाग की भूमिका पर प्रदर्शनी आयोजित

मेट्रो रेज

रांची : अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी की ओर से ऑड्रे हाउस में गिनती में आओ : भारत में जनगणना का डाक इतिहास शीर्षक प्रदर्शनी आयोजित की गई। प्रदर्शनी में 1951 से 2011 तक की अवधि में जनगणना कार्यों में भारतीय डाक विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका को विभिन्न डाक टिकटों, सर्विस पोस्टकार्ड, प्रथम दिवस आवरण, अंतदेर्शीय पत्रों और सरकारी दस्तावेजों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन झारखंड के जनगणना संचालन निदेशक प्रभात कुमार ने किया। उन्होंने जनगणना कार्यों में डाक विभाग के योगदान को सामने लाने वाले इस प्रयास की सराहना की। अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु के प्राध्यापक विकास कुमार द्वारा संयोजित इस प्रदर्शनी में यह दिखाया गया कि डिजिटल युग से पहले जनगणना के प्रचार–प्रसार, सामग्री वितरण तथा प्रगणकों और अधिकारियों के बीच संवाद स्थापित करने में डाक विभाग की कितनी महत्वपूर्ण भूमिका थी। इस अवसर पर आयोजित परिचर्चा में इतिहासकारों और शिक्षाविदों ने जनगणना के महत्व तथा नीति निर्माण और विकास योजनाओं में उसकी उपयोगिता पर चर्चा की। प्रदर्शनी 6 जून तक आम लोगों के लिए खुली रहेगी।

मोहर्रम 2026 की तैयारी को लेकर कल होगी अहम बैठक

महासचिव अकीलुर्रहमान ने की सहभागिता की अपील

संवाददाता

रांचीः मोहर्रम 2026 के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर सेंट्रल मोहर्रम कमिटी द्वारा एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन आगामी 7 जून 2026, रविवार को अपराह्न 3 बजे किया गया है। यह बैठक मेन रोड स्थित सेंट्रल मोहर्रम कमिटी कार्यालय, मधुबन मार्केट परिसर में आयोजित होगी।

बैठक में रांची के प्रमुख अखाड़ों–धौताल अखाड़ा, इमाम बख्श अखाड़ा और लीलू अली अखाड़ा समेत विभिन्न अखाड़ों के खलीफा, सदर, सेक्रेटरी, कमिटी पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल होंगे। बैठक में मोहर्रम के जुलूस, सुरक्षा व्यवस्था, अनुशासन और अन्य तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की जाएगी तथा आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे। सेंट्रल मोहर्रम कमिटी के महासचिव अकीलुर्रहमान ने सभी अखाड़ों से अपील की है कि वे अपने-अपने पांच प्रतिनिधियों के

साथ बैठक में अनिवार्य रूप से शामिल हों और अपने महत्वपूर्ण सुझाव दें, ताकि मोहर्रम के जुलूस को बेहतर ढंग से आयोजित करने के लिए सर्वसम्मति से निर्णय लिया जा सके। अकीलुर्रहमान ने कहा कि मोहर्रम की परंपरा, अनुशासन और सौहार्द को बनाए रखने के लिए सभी अखाड़ों का सहयोग आवश्यक है। बैठक में लिए गए निर्णयों के आधार पर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की जाएगी।

बैठक के आमंत्रण पत्र पर सेंट्रल मोहर्रम कमिटी के अध्यक्ष जावेद गद्दी, महासचिव अकीलुर्रहमान तथा सरपरस्त मो। सईद इदरीसी के हस्ताक्षर हैं। कमिटी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं सदस्यों से समय पर उपस्थित होने की अपील की है।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

अनियंत्रित पर्यटन से त्रस्त नैनीताल

विश्व विख्यात हिल स्टेशन नैनीताल में मनुष्य से अधिक दोपहिया और चौपहिया वाहनों का रेला उमड़ने लगा है। वाहनों की अनियंत्रित और बेतहाशा भीड़ के चलते नगर की सांसें थम सी गईं हैं। अपनी क्षमता से कई गुना अधिक बोझ ढो रही नगर की सभी सड़कें और गलियां दोपहिया और चौपहिया वाहनों से पट सी गईं हैं। सामान्य आवागमन भी बाधित हो गया है। पैदल चलने को रास्ते नहीं बचे हैं। नगर का हरेक कोना और पैदल रास्ते गाड़ियों से पट गए हैं। नगर में यत्र, तत्र, सर्वत्र जाम लगना आम बात हो गई है। हालात इस कदर खराब हो चुके हैं कि आम आदमी के लिए पैदल चलने की जगह ही नहीं बची है।पहले पर्यटन सीजन के दिनों कभी-कभार ऐसी स्थिति आती थी। अब यह समस्या बारहमासी हो गई है।

सुंदर प्राकृतिक झील, अनुपम सौंदर्य और स्वास्थ्यवर्धक जलवायु के मद्देनजर 183 वर्ष पूर्व अंग्रेजों ने नैनीताल नगर की बसावट शुरू की थी। औपनिवेशिक शासक नैनीताल की तुलना यूरोपीय देशों से करते थे। नैनीताल का स्वच्छ और शुद्ध वातावरण एवं आबोहवा को अच्छे स्वास्थ्य के लिए आदर्श माना जाता था। अंग्रेजी शासनकाल में नैनीताल को 'कंट्री रिट्रीट' कहा जाता था। अंग्रेज यहां के पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण का विशेष खयाल रखते थे। तब नैनीताल की सुंदरता, शांति और सुरक्षा, विश्व विख्यात थी। आज यह सब खतरे में हैं। वर्तमान में नैनीताल ध्वनि एवं वायु प्रदूषण के चपेट में है। नैनीताल जब बसा तब आने-जाने के लिए रास्तों की समुचित व्यवस्था नहीं थी। तब कालाढूंगी से पैदल नैनीताल आया जाता था। कालांतर में पुरुषों के लिए घोड़ों की सवारी और महिला यात्रियों के लिए डांडी की व्यवस्था बनाई गई।यात्रियों का सामान ढोने के लिए कुलियों का प्रबंध था। करीब चार दशक तक यह व्यवस्था बनी रही। इसी दरम्यान नैनीताल एक सुव्यवस्थित नगर के रूप में बसा और सजा- संवरा। उस दौर में मैदानी इलाकों की गर्मियों के थपेड़ों से बचने और विशुद्ध हवा की ठंडी बयार में स्वच्छंद भ्रमण के लिए सैलानी नैनीताल आते थे। 1862 में नैनीताल नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज आगरा एंड अवध की ग्रीष्मकालीन राजधानी बना। 24 अक्टूबर, 1884 को काठगोदाम रेल यातायात से जुड़ा। इसके बाद यात्रीगण काठगोदाम से ज्योलीकोट- ब्रेबरी होते हुए पैदल नैनीताल पहुंचने लगे। 1893 में नैनीताल तक तांगे पहुंच गए। अविभाजित भारत के सबसे बड़े ओहदेदार वॉयसरॉय, नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज के लेफ्टिनेंट गवर्नर, सेना और प्रशासन के आला अफसरान तांगों में बैठकर नैनीताल पहुंचने लगे। 1915 के आसपास मोटर मार्ग बनने के बाद काठगोदाम से नैनीताल तक मोटर लॉरी चलने लगी। लॉरी तल्लीताल तक ही आ सकती थी। नैनीताल के लचीले एवं भंगुर पर्यावरण और स्थानीय विशिष्टाओं के मद्देनजर नगर के भीतर यांत्रिक यातायात नहीं था। डांडी, झम्पानी, घोड़े और हाथ रिक्शा ही यातायात के एकमात्र मुख्य साधन थे। नगर के बाहरी हिस्से में साइकिल चलाने के लिए नगर पालिका से लाइसेंस लेना अनिवार्य था। कार्ट रोड (नैनीताल-हल्द्वानी मार्ग) और डिपो रोड (नैनीताल-भवाली मार्ग) में ही साइकिल चलाने की इजाजत दी जाती थी। 1901 में जब नैनीताल की ग्रीष्मकालीन आबादी 7609 थी, सिर्फ 520 बंगले और दूसरे मकानात थे, तभी नैनीताल के भार वहन क्षमता की बात होने लगी थी। अंग्रेज नैनीताल के नाजुक पर्यावरण के मद्देनजर यहां निश्चित सीमा से अधिक आबादी को बसाने के सख्त खिलाफ थे। कुमाऊं के तत्कालीन कमिश्नर कैप्टन ए. डब्ल्यू. इबट्सन ने 19 जुलाई, 1929 को नगर पालिका नैनीताल की वार्षिक रिपोर्ट में लिखी एक टिप्पणी में कहा था- ₹ इस समय नैनीताल की एक स्वास्थ्यप्रद नगर की छवि है पर भविष्य में इस छवि को बनाए रखने में कुछ जटिल समस्याएं नजर आ रही हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि यह नगर अति इंसानों से भर गया है।₹ जब कैप्टन इबट्सन ने यह टिप्पणी की, उस दौर में नैनीताल की आबादी करीब 12 हजार थी। 1937 में नगर पालिका ने नैनीताल की मालरोड में नियंत्रित यांत्रिक यातायात की अनुमति प्रदान कर दी। तब नगर पालिका के अध्यक्ष या सचिव की पूवार्नुमति से विशेष परिस्थितियों में तल्लीताल से सचिवालय (वर्तमान उत्तराखंड उच्च न्यायालय) तक ही वाहन आ-जा सकते थे। 1938 में नगर पालिका ने मालरोड में वाहनों की अधिकतम गति सीमा दस मील प्रति घंटा तय कर दी थी। मालरोड में यांत्रिक यातायात की अनुमति दिए हुए दो साल भी नहीं बीते थे भू-वैज्ञानिकों ने मालरोड के अतिरिक्त अन्य स्थानों में वाहनों की आवाजाही का विरोध करना प्रारंभ कर दिया था। भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के तत्कालीन अधीक्षक ए. एल. कॉल्सन ने 5 अगस्त, 1939 की अपनी एक रिपोर्ट में नैनीताल नगर के भीतर वाहनों की आवाजाही पर पाबंदी लगाने की सिफारिश की। 22 जनवरी,1942 को नगर पालिका ने मालरोड में दस पैडल रिक्शे चलाने की अनुमति दी। तब मालरोड में यातायात के नाम पर यही सिर्फ दस पैडल रिक्शे चला करते थे।

साल 1947 में भारत आजाद हो गया। अंग्रेज अपने वतन लौट गए। वह संरक्षणवादी नीतियों को भी अपने साथ ले गए। आजादी के करीब दो दशकों तक मामूली शिथिलताओं के साथ ब्रिटिशकालीन व्यवस्थाओं का अक्स बना रहा। नगर पालिका के तत्कालीन सदस्य चन्द्रलाल साह द्वारा 5 दिसंबर,1966 को बोर्ड की बैठक में प्रस्तुत प्रस्ताव संख्या-दो के जरिए मालरोड में कार और भारी वाहनों के चलने पर पाबंदी लगाने की मांग की गई। यह प्रस्ताव स्थगित हो गया । 1980 के दशक तक भी नगर में यांत्रिक यातायात नियंत्रित संख्या में था। मारुति संस्कृति आने के बाद नैनीताल का पूरा परिदृश्य बदल गया। नैनीताल नगर में मोटर मार्ग बाजार क्षेत्र, अश्व मार्ग और पैदल मार्ग सहित सड़कों की कुल लंबाई करीब एक सौ किलोमीटर के आसपास है। इसमें वाहन चालित सड़कों के रूप में मान्य सड़कों की लंबाई करीब 18 किलोमीटर है। बाकी पैदल मार्ग हैं। यहां मकानों की संख्या करीब दस हजार के आसपास पहुंच गई है। तकरीबन हरेक परिवार के पास एक से अधिक दोपहिया और चौपहिया वाहन हैं। टैक्सी बाइक और टैक्सी स्कूटी की कोई गिनती ही नहीं है।

पर्यटक सीजन के दिनों प्रशासन द्वारा निश्चित संख्या में ही पर्यटक वाहनों को नगर में प्रवेश की आज्ञा दी जाती है। बावजूद इसके पीक सीजन में प्रतिदिन करीब ढाई- तीन हजार पर्यटकों के निजी वाहन नैनीताल आते हैं। नतीजतन अब नगर की कोई सड़क और पैदल मार्ग दोपहिया और चौपहिया वाहनों से निरापद नहीं है। टैक्सी बाइक, 'पापाज' एवं 'मम्मीज गिफ्ट्स' की भीड़ ने आम लोगों के चलने के लिए सड़कों के किनारों की नालियां भी नहीं छोड़ी हैं। इनकी निरंकुश रफ़्तार के चलते पैदल चलने का अर्थ जीवन को खतरे में डालना हो गया है। अनियंत्रित, अनियोजित एवं अदूरदर्शी विकास ने स्वप्नलोक को एक अव्यवस्थित और अति भीड़भाड़ वाले नगर में बदल दिया है। इंतजामिया नैनीताल नगर की भार वहन क्षमता का आकलन कर तद्नुसार गाड़ियों की संख्या नियंत्रित करने के बजाय पार्किंग बनाने पर जोर दे रहे हैं। पार्किंग के लिए नैनीताल में नियम विरुद्ध ब्रिटिशकालीन नालों में लिंटर डाल दिए गए हैं, जिससे नालों का वजूद और औचित्य पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग गया है। इस समस्या से निपटने के लिए नैनीताल की भारवहन क्षमता का आकलन कर दूरदर्शी एवं व्यावहारिक पर्यटन नीति बनाने की आवश्यकता है। फिलवक्त नैनीताल अपनी बेनूरी और दुर्दशा पर सिसक रहा है।

नोएडा में हजारों की संख्या में पीजी लेकिन एक भी पंजीकृत नहीं और सुरक्षा मानकों की अनदेखी

> बहुमंजिला इमारतों में संचालित हो रहे पीजी और होटल न केवल बिना आवश्यक पंजीकरण के चल रहे हैं, बल्कि जिम्मेदार पर्यटन विभाग और नोएडा प्राधिकरण भी इस गंभीर लापरवाही पर आंखें मूंदे हुए हैं। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि अगर कोई बड़ा हादसा हो जाए, तो उसकी जिम्मेदारी आखिर किसकी होगी।

डॉ. सत्यवान सौरभ

नोएडा के सेक्टर 24 स्थित एक कमर्शियल कंपलेक्स में शुक्रवार सुबह हुई आगजनी और लोगों के आग में फंसने की घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर शहरों में धड़ल्ले से चल रहे पीजी और होटल कितने सुरक्षित हैं। हैरानी की बात यह है कि नोएडा में हजारों लोगों की जिंदगी आज भी नियमों और सुरक्षा मानकों के भरोसे नहीं, बल्कि इनके संचालकों की मनमानी पर टिकी हुई है। बहुमंजिला इमारतों में संचालित हो रहे पीजी और होटल न केवल बिना आवश्यक पंजीकरण के चल रहे हैं, बल्कि जिम्मेदार पर्यटन विभाग और नोएडा प्राधिकरण भी इस गंभीर लापरवाही पर आंखें मूंदे हुए हैं। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि अगर कोई बड़ा हादसा हो जाए, तो उसकी जिम्मेदारी आखिर किसकी होगी। आज की घटना के बाद हमारे द्वारा किए गए पड़ताल के बाद सामने आया कि जिले में पांच हजार से अधिक पीजी संचालित होने के बावजूद एक भी पीजी पर्यटन विभाग में पंजीकृत नहीं है। छोटे शहरों से बेहतर भविष्य और रोजगार की तलाश में नोएडा पहुंचे हजारों परिवार और युवा रोजाना ऐसे कमरों में रहने को मजबूर हैं, जहां सुरक्षा मानकों का कोई ठोस आधार नहीं है। बावजूद इसके, अधिकारी कार्रवाई के बजाय किसी अप्रिय घटना के इंतजार में नजर आते हैं। सेक्टर 62 के नवादा स्थित एक गर्ल्स पीजी में बृहस्पतिवार की रात करीब दो बजे अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ, जिसके बाद बिजली बाधित होने पर युवतियां नीचे आईं, पुलिस बुलानी पड़ी, अफरातफरी का माहौल रहा। जब एक युवती ने उसका वीडियो बनाया तो उसे पीजी संचालक ने कमरा खाली करने की धमकी दी। युवती ने बताया कि पीजी में सिर्फ एक ही गेट है। पड़ताल के दौरान सामने आया कि सेक्टर 62 नवादा इलाके में ऐसे कई पीजी हैं जहां नीचे होटल संचालित हो रहा है और उसके ऊपर पीजी बना है, जिसमें एक ही तल पर 10-10 कमरे बने हैं। लेकिन अग्निशमन सुरक्षा के इंतजाम एक मे भी नहीं है। यहां तक कि एक ही गेट है जो कि सिर्फ तीन मीटर चौड़ा है। ऐसे में यदि आग लगती है तो बाहर निकलने का रास्ता ही नहीं मिलेगा।

सेक्टर-104 हाजीपुर इलाके में गली नंबर पांच पहले से ही संकरी है। उसी गली से होते हुए करीब 10 बहुमंजिला अपार्टमेंट बने हुए हैं। जहां हर एक तल पर पांच से ज्यादा परिवार रहते हैं। लेकिन उन तक पहुंचने का रास्ता सिर्फ 5-7 मीटर चौड़ा है। सिर्फ एक ही तरफ से गेट है, बाकी जगह ब्लॉक हैं। ऐसे में यदि आगजनी की घटना हुई और अग्निशमन का वाहन वहां पहुंचता है तो वह वापस लौट भी नहीं सकता है, बल्की उसी रास्ते से वापस लौटना पड़ेगा। विश्वकर्मा मार्ग से ममूरा के अंदर सिर्फ 100 मीटर की दूर पर प्रवेश करते ही सैकड़ों ऐसे पीजी हैं जहां पहुंचने के लिए संकरे रास्ते पर गुजरना पड़ता है। आलम यह है कि एक ही बिल्डिंग में होटल संचालित किया जा रहा है और उसी बिल्डिंग में ही पेइंग गेस्ट (पीजी) संचालित हो रहा है। ऐसे में युवक- युवतियों की सुरक्षा भगवान भरोसे बनी हुई है। ऐसे कई पीजी हैं वहां चार पहिया वाहन तो दूर दो पहिया वाहन भी अगर दो गुजर जाएं तो जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाए।

नवादा इलाके में एक गली ऐसी भी दिखी जो सिर्फ 30 मीटर लंबी और 3 मीटर चौड़ी है। एक तरफ से गली बंद है। उसी गली में ही पांच पीजी के सिंगल गेट खुले हैं। ऐसे में यदि आगजनी की घटना होती है तो एक पीजी के साथ साथ अन्य पीजी भी आग की चपेट में आ जाएंगे, जिन्हें बचाने का कोई रास्ता न मिलेगा। इसके अलावा रायपुर , हाजीपुर, बरौला, बिशनपुरा, अगाहपुर, होशियारपुर, नयाबांस , हरौला,चोटपुर कॉलोनी, छीजारसी कॉलोनी, बहलोलपुर , अट्टा, हाजीपुर पुर, सलारपुर गांव में सैकड़ो की संख्या में पीजी और ओशो होटल बने हुए हैं जिनमें सुरक्षा के उपाय नहीं है। आग लगने के समय वहां रहने वाले लोगों की जिंदगी भगवान भरोसे है।

क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी मेरठ मंडल दीपिका ने बताया कि सरकार ने पीजी (पेइंग गेस्ट) का पंजीकरण समाप्त कर दिया है। जितने भी संचालित हो रहे हैं, वे अवैध हैं। हालांकि सरकार अब होम स्टे और बीएनबी का पंजीकरण कर रही है। लेकिन उसमें भी छह से ज्यादा कमरे नहीं हो सकते हैं। नियम के अनुसार मकान मालिक को उसी घर में रहना होगा। पंजीकरण अनिवार्य है। छह से ज्यादा कमरे होने पर बिल्डिंग को सर्टिफिकेट नहीं दिया जाता है। अवैध निर्माण पर स्थानीय प्रशासन नोटिस जारी कर कार्रवाई कर सकता है। इसके अलावा फायर की एनओसी की जिम्मेदारी स्थानीय मुख्य अग्निशमन अधिकारी की है। उन्होंने बताया कि पर्यटन विभाग द्वारा नोएडा में सिर्फ तीन पंजीकृत किए गए हैं।

भौतिक संसाधन प्रकृति के सौंदर्य को कर रहे नष्ट

> डार्विन कहता है कि मनुष्य और बंदरो के पूर्वज एक थे। वे विकसित होकर ही मनुष्य बने । दूसरा वैज्ञानिक सिद्धान्त है कि जल में अमीबा और से मनुष्य के पूर्वज एक थे। सनातन में अवतार का विज्ञान है। पहला मत्स्य है। दूसरा कच्छप अवतार हैं। तीसरा वराह अवतार है। चौथा नरसिंह अवतार है। यह थोड़ा मनुष्य थोड़ा सिंह जैसा है। फिर वामन अवतार आया।

अरुण कुमार दीक्षित

प्रकृति का संस्कृति से सीधा संबंध है। प्रकृति हमेशा से है। प्रकृति हर कर्ता से पहले मौजूद है। प्रकृति में परिवर्तन अर्थात पर्यावरण असंतुलित होना है। संपूर्ण विश्व के सामने पर्यावरण संतुलन की चुनौती है। विश्व में भौतिक संसाधन बढ़ें हैं। यही भौतिक संसाधन प्रकृति के अप्रतिम सौंदर्य को क्षत विक्षत कर रहे हैं। प्रकृति के सौंदर्य से मनुष्य का सौंदर्य जुड़ा है। जीवन सम्भव है। यही कारण है कि भिन्न-भिन्न जलवायु वाले देशों क्षेत्रों के मनुष्य अलग तरह के दिखाई देते हैं। मनुष्यों का रंग कहीं श्वेत है तो कहीं वे श्याम रंग के हैं। तो कहीं तांबे जैसा मनुष्यों का रंग है। किसी की आंखें सुंदर दिखती हैं। किसी देश के मनुष्य की आंखें कम खुलती हैं। किसी की आंखें मृगनयनी कही जाती हैं। किसी की नाक का सौंदर्य है। मनुष्य के शरीर प्रकृति के अनुसार विकसित होते जाते हैं।

डार्विन कहता है कि मनुष्य और बंदरो के पूर्वज एक थे। वे विकसित होकर ही मनुष्य बने । दूसरा वैज्ञानिक सिद्धान्त है कि जल में अमीबा और से मनुष्य के पूर्वज एक थे। सनातन में अवतार का विज्ञान है। पहला मत्स्य है। दूसरा कच्छप अवतार हैं। तीसरा वराह अवतार है। चौथा नरसिंह अवतार है। यह थोड़ा मनुष्य थोड़ा सिंह जैसा है। फिर वामन अवतार आया। फिर भगवान परशुराम आये। मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम आये। अंत में श्रीकृष्ण को पूर्णावतार कहा गया। गर्मी-सर्दी का सीधा प्रभाव मनुष्य के शरीर पर पड़ता है। हमारा आचरण प्रकृति अनुरूप होना चाहिए। पर ऐसा हो नहीं रहा। विज्ञान संपूर्ण प्राकृतिक नैसर्गिक नियमन को चुनौती दे रहा है। नदियां प्रदूषित हो रही हैं। नदियों का जल पीने योग्य नहीं बचा है। वैदिक सभ्यता सिंधु के तट पर विकसित हुई। वैदिक सभ्यताओं में नदियों को जल माताएं कहा गया है। भूतत्व विज्ञानी सिंधु सभ्यता को वैदिक काल के बाद का मानते हैं। सिन्धु सभ्यता में प्रकृति के अनुसार आचरण दिखाई पड़ता है। वैदिक समाज में सूर्य से चंद्रमा से अग्नि से वनस्पतियों से इंद्र से प्रार्थनाएं हैं। सूर्य प्रतिदिन उगता है मगर वह पुराना होकर नया है। वह आदि अनादि है। हम सूर्य को नमस्कार करते हैं। सूर्य चंद्रमा, पृथ्वी, जल, अग्नि, वनस्पतियों के बीच ही जीवन आनंद मय है।

ऋग्वेद में प्रकृति माता और ऋत ब्रह्माण्डीय व्यवस्था का आधार (अरण्यनी सूक्त में प्रकृति को वन देवी के रूप पूजा गया है)। अथर्ववेद में पृथ्वी को माता भूमि : पुत्रों अहं पृथिव्या :(भूमि सूक्त) में कहा गया है। यजुर्वेद में प्रकृति और पर्यावरण के मूल तत्व (जल, वायु अग्नि, आकाश और पृथ्वी को पंच महाभूत कहा) पर श्रीकृष्ण कहते है कि अपरा प्रकृति (जल या भौतिक) यह नाशवान है। जड़ है। आठ भागों में पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश, मन, बुद्धि और अहंकार है। श्रीकृष्ण कहते हैं कि परा प्रकृति चेतन या जीव प्रकृति यह श्रेष्ठ और चेतन प्रकृति है। जो सभी प्राणियों में स्थित जीवात्मा है। प्रकृति के तीन गुण बताए गए है। सत्व गुण - पवित्रता और ज्ञान। रजो गुण - कर्म इच्छा और आसक्ति, तमो गुण - अज्ञान,आलस्य ,अनिद्रा।

वैज्ञानिकों के निष्कर्ष है कि तापमान बढ़ रहा है। ग्लेशियर पिघल रहे हैं। उनका जल महासागरों में आ रहा है। अधिक ग्लेशियरों के पिघलने से महासागरों की बाढ़ के चपेट में दुनिया के देश आएंगे। उसमें भारत के भी कुछ तटीय महानगर सम्मिलित हैं। भारी प्राकृतिक विपदा होगी। तब क्या है वैज्ञानिकों की चेतावनी पर ध्यान दे रहे हैं? उत्तर आएगा नहीं। प्रकृति अपना संतुलन स्वयं बनाती है। हम सब इस ब्रह्मांड का अंश ही हैं। दिखाई भिन्न प्रकार के पड़ते हैं। तब हमारा आचरण ऋत नियमन से भरा होना चाहिए। प्रकृति ने लाखों करोड़ों वनस्पतियों को हमें दिया। उसका हमें परमात्मा को धन्यवाद देना चाहिए। मगर किसी व्यक्ति को धन्यवाद देने में भी कंजूसी करते हैं। हम प्रकृति के साथ सभी जीवों को प्रेम करना चाहिए। हम नहीं करते। प्रेम के काव्य लिखते हैं। प्रेम नही करते। हमारी श्वास प्रतिश्वांस परमात्मा की है हम उसे धन्यवाद नही करते।

हमने नदियों को कचरे से पाटने का बड़ा पुरुषार्थ किया है। इससे मछलियां विलुप्त हो रही हैं। अन्य जलीय जीव खतरे में है । अनेक विलुप्त हो गए हैं। प्लास्टिक कण इन जीवों के भीतर तक पहुंच गए हैं। आर्सेनिक, निकिल, क्रोमियम सीसा, पारा, फ्लोराइड , फिनायल प्लास्टिक जैसे प्राण घातक रसायन नदियों में डाल रहे हैं। पांच सितारा होटलों के लिए नदियों के पवित्र तटों को नष्ट कर रहे हैं। नदियों के किनारे रहने वाले जीवों का अधिकार छीन रहे हैं। अस्पतालों के नाले नदियों में डाले जा रहे हैं।

इससे अनुमान लगा सकते हैं कि हमारा भारतीय समाज और दुनिया की सभ्यता कितनी सुशिक्षित है ? सुसंस्कृत है ? वहीं अनेक लोग जिनकी कोई डिग्री नहीं। स्कूल नहीं गए। वह सभी नदियों को माता मानकर आज भी ग्रह नक्षत्रों के नियम के अनुसार प्रणाम करते हैं। स्नान करते हैं। नीराजन करते हैं। उन्हें असभ्य और गंवार कहा जाता है, जबकि इन्हीं का आचरण प्रकृति जैसा है। आदिकाल से आचरण किया है। पर्यावरण में संतुलन इनका बड़ा योगदान है। आधुनिक भारत में नदियों को पहाड़ों को वनों को अधिकतम नुकसान पहुंचा है। नदियों का हृदय स्थल बेध डाला। दिशाएं बदल दीं। पहाड़ों को बारूद से उड़ाया। वनों को समाप्त करने के लिए आधुनिक मशीन ले आये। काटना शुरू किया। खेती को आधुनिक विषैली बनाया। रासायनिक बनाया। रसायनों से कैंसर दिया। और यह सब पढ़े-लिखों ने ही किया है। इसमें सरल अनपढ़ लोगों का कोई दोष नहीं है। वैदिक और सिंधु सभ्यता प्रकृति प्रेमी थी। पशु प्रेमी थी। वनस्पति प्रेमी थी। वह प्रकृति के साथ चले। हम सब आधुनिक यह मशीन लेकर चले। पूर्वजों ने पीपल, बरगद, तुलसी, केला, शमी, नीम, दूब (दूर्वा) सभी का नीराजन किया। चंपा, चमेली, मनोकामिनी, गुड़हल सरसों, धतूर, जामुन, कैथा, गन्ना, पान, कमल, नील कमल, ब्रह्म कमल से इन जल माताओं की नदियों की देवताओं की आराधना की। वन देवी की आराधना की। प्रकृति की आराधना की। फूलों से प्रकृति से प्रकृति का स्वागत। किया। अहोभाव भाव प्रकट किया। प्रकृति से लिया तो वहीं उसे दे दिया। नदी में उतरे । डुबकी लगाई । आचमन किया। जल को जल से पृथक नहीं किया। आधुनिक तथाकथित प्रगतिशीलों ने प्लास्टिक के फूल बनाये। आदमी प्लास्टिक के बनाये। लोहे के स्टील के और नाम रखा रोबोट। प्रगतिशील गदगद हैं। आधुनिक हैं। वह प्रगतिशील कहलाने में प्रसन्न होते हैं। पृथ्वी को छोड़कर ग्रहों में जीवन की संम्भावना खोजते हैं। अरबों खर्च कर हो रहे है। हम कहते है कि तुम यहां एक पेड़ सुरक्षित नहीं रख सकते। नदी साफ नहीं रख सकते। सागर-महासागर साफ नहीं रख सकते। वहां क्या करोगे। हिमालय क्षेत्र से वनस्पतियां लुप्त हो रही है। जीवन घट रहा है। संपूर्ण प्रकृति की संजीवनी भी गल रही है। नष्ट हो रही है और इसका नाम वैश्विक रूप से विकास है। अन्ततः विनाश है। आगे ग्लोबलाइजेशन है। विज्ञान ने यह भी किया है कि संपूर्ण संसार को सात बार नष्ट करने वाले परमाणु बम बनाकर तैयार कर दिया। दुनिया तनावग्रस्त है। युद्ध में है। अब शांति खोज रहे हैं। पूरी दुनिया में शांति का रास्ता खोजने के ढोंग में है। प्रस्ताव है। मीटिंग है। सम्मेलन है। मीडिया की रिपोर्ट है। पहला पर्यावरण सम्मेलन 5 जून से 16 जून 1972 को हुआ था। पर्यावरण पर संयुक्त राष्ट्र का मूल वक्तव्य इस तरह है कि मानव जाति को गरिमा पूर्ण जीवन जीने के लिए एक स्वस्थ पर्यावरण का मौलिक अधिकार है। वर्तमान तथा भावी पीढ़ियों के लिए इसकी रक्षा करना हमारा सामूहिक कर्तव्य है। संयुक्त राष्ट्र का यह रुख मुख्य रूप से तीन बिंदुओं पर है। पहला जलवायु परिवर्तन दूसरा जैव विविधता का नुकसान और तीसरा प्रदूषण से निपटने का कार्य करता है। प्रश्न है कि संयुक्तराष्ट्र की सुनता कौन है।पर्यावरण पर सम्मेलन बिना निष्कर्ष सम्पन्न हो जाते हैं। इसलिए रुको। प्रकृति को देखो। वह तुम हो। निहारो होशपूर्वक वह तुम्हारी संततियों की पालनहार है। वह ही माता और पिता है। वह परमशक्ति है। भिन्न-भिन्न रूपों में व्यक्त है। अव्यक्त भी है। वही तेजस है। ज्योतिर एकं है। उसका ही नाम परमात्मा है। सभी दिशाओं में है। उस परम आवरण को बारम्बार नमस्कार है।

जब रजस्वला होती हैं देवी, जानें अंबुबाची मेला का डिवाईन रहस्य

असम के गुवाहाटी स्थित प्रसिद्ध कामाख्या देवी मंदिर में हर साल अंबुबाची मेला लगता है। जोकि देश के सबसे आध्यात्मिक और रहस्यमयी मेलों में गिना जाता है। हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु, तांत्रिक, साधु-संत और पर्यटक इस पर्व का हिस्सा बनते हैं। बता दें कि इस मेले से एक प्राचीन रहस्य जुड़ा है। कामाख्या मंदिर को भारत के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। पौराणिक कथाओं के मुताबिक जहां-जहां पर मां सती के शरीर के अंग गिरे थे, वहां शक्तिपीठों की स्थापना हुई। इन्हीं शक्तिपीठों में कामाख्या देवी मंदिर भी शामिल है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको अंबुबाची मेले के रहस्य और इसकी डेट के बारे में बताने जा रहे हैं।

साल 2026 में कब लगेगा अंबुबाची मेला प्राप्त जानकारी के मुताबिक 22 जून 2026 की रात से अंबुबाची मेला की शुरूआत होगी। इस दौरान मेले के लिए मंदिर के कपाट 22 जून को बंद किए जाएंगे। फिर 25 जून को विशेष शुद्धिकरण और अनुष्ठान के बाद दर्शन के लिए मंदिर के कपाट खोले जाएंगे। वहीं मेले का समापन 26 जून 2026 की सुबह माना जा रहा है। इस तीन दिनों तक मंदिर में सामान्य पूजा-पाठ बंद रहती है। भक्त मंदिर के बाहर जप, साधना और ध्यान आदि करते हैं। फिर चौथे दिन मां के 'शुद्धि स्नान' के बाद श्रद्धालुओं को विशेष प्रसाद बांटा जाता है, जिसको अंगोदक और अंगवस्त्र कहा जाता है। इस विशेष प्रसाद को बेहद शुभ और चमत्कारी माना जाता है।

मेले से जुड़ा रहस्य

इस मेले से जुड़ी सबसे रहस्यमयी मान्यताओं में से एक ब्रह्मपुत्र नदी के जल का हल्का लाल दिखना है। भक्तों का विश्वास है कि यह परिवर्तन मां कामाख्या के रजस्वला होने का प्रतीक है। इसको देवी कामाख्या की दिव्य शक्ति का संकेत माना जाता है। इस वजह से इस अवधि को बेहद पवित्र और शक्तिशाली माना जाता है। लेकिन वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए, तो वैज्ञानिक खनिज तत्वों, मिट्टी और मानसून के दौरान पानी में आने वाले प्राकृतिक बदलावों को बताते हैं। लेकिन इसके बाद भी श्रद्धालुओं के लिए यह घटना सिर्फ प्राकृतिक नहीं बल्कि मां कामाख्य की अलौकिक उपस्थिति और आशीर्वाद का प्रतीक है।

आस्था की भीड़

इस मेले में हर साल लाखों लोग शामिल होते हैं। यही वजह है कि प्रशासन काफी पहले से इस मेले की तैयारियों में लग जाता है। सरकार ने साल 2026 में लगने वाले मेले की तैयारियां भी अभी शुरू कर दी हैं। वहीं इस मेले के लिए सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन और नए मार्गों की योजना पर काम किया जा रहा है। जिससे कि इस मेले में शामिल होने वाले भक्तों को किसी तरह की परेशानी का समाना न करना पड़े। जो लोग तंत्र साधना, आध्यात्मिक अनुभव और भारतीय संस्कृति की अनोखी परंपराओं को बेहद करीब से देखना चाहते हैं। तो उनके लिए अंबुबाची मेला एक अद्भुत अनुभव साबित हो सकता है। अंबुबाची मेला सिर्फ आस्था का केंद्र नहीं बल्कि स्त्री शक्ति और प्रकृति के सम्मान का जीवंत संदेश भी देता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

मोबाइल चोरी मामले में आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

साहिबगंज : नगर थाना पुलिस ने मोबाइल चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार नगर थाना क्षेत्र के पुरानी साहिबगंज निवासी निर्मल पांडेय ने अपना मोबाइल चोरी होने की शिकायत नगर थाना में दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर कांड संख्या 97/26 दर्ज कर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।जांच के दौरान पुलिस ने मिजाचौकी थाना क्षेत्र के महादेववरण निवासी रोहित मोहाली को आरोपी के रूप में चिन्हित किया। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।इस संबंध में नगर थाना प्रभारी अमित गुप्ता ने बताया कि निर्मल पांडेय की शिकायत पर कांड संख्या 97/26 दर्ज कर मामले की जांच की गई। जांच में रोहित मोहाली की संलिप्तता सामने आने के बाद उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है: सतीश चंद्रा

साहिबगंज : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विकास भवन परिसर में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा द्वारा वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया गया। उन्होंने उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों के साथ मिलकर पौधारोपण किया हरित स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण हेतु सभी को सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।वृक्षारोपण कार्यक्रम के उपरांत उप विकास आयुक्त ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने जल जंगल एवं जमीन के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ पर्यावरण ही आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित एवं समृद्ध भविष्य की आधारशिला है। जबकि उप विकास आयुक्त द्वारा उपस्थित सभी पदाधिकारियों व कर्मियों को पर्यावरण संरक्षण संवर्धन की शपथ भी दिलाई गई। सभी ने पर्यावरण की रक्षा, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण स्वच्छ एवं हरित वातावरण के निर्माण हेतु सतत प्रयास करने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में अपर समाहर्ता श्री गौतम कुमार भगत, कार्यपालक अभियंता देवीलाल हांसदा जिला योजना पदाधिकारी अनूप कुमार जिला परियोजना पदाधिकारी यूआईडी संदीप कुमार सुमित कुमार चौबे सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पतना में भाजपाइयों ने किया पौधरोपण

साहिबगंज/पतना : भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन एवं प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू व जिला अध्यक्ष गौतम यादव के निर्देशानुसार शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर में पतना प्रखंड के बूथ नंबर 219 एवं 220 में एक वृक्ष मां के नाम से भाजपा कार्यकताओं ने वृक्षारोपण किया।पर्यावरण को सुलभ रखने के लिए एक कदम आगे बढ़कर पर्यावरण को स्वच्छ और सुरक्षित के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित की गई।जिसका शुभारंभ भाजपा के जिला प्रभारी अमृत पांण्डे व प्रखंड अध्यक्ष कुणाल किशोर मंडल ने संयुक्त रूप से वृक्षारोपण किया।इस दौरान भाजपा कार्यकताओं ने प्रत्येक बूथों में मां के नाम से एक वृक्ष लगाने का संकल्प लिया।विश्व पर्यावरण दिवस से शुरूआत किया गया यह कार्यक्रम 25 जून तक चलाई जाएगी।कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा जिला उपाध्यक्ष चौकीदार हंसदा,जिला मंत्री बप्पी निर्मल,कोषाअध्यक्ष संजीव कुमार उर्फ विक्की गुप्ता,संजय शाह,रोबिन दास, प्रधान सोरेन,श्याम तुरी,चैतन हेंब्रम,हम डंडा पंचायत के उप मुखिया रॉबिन माल्टो,सोनू माल्टो बास्की मंडल उपस्थि रहे।

पर्यावरण संरक्षण की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है : बासुकीनाथ

साहिबगंज : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर साहिबगंज सदर प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर सदर अंचलाधिकारी बासुकीनाथ टुडू ने मां के नाम एक पेड़ अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।कार्यालय मे मौजूद सभी लोगो ने पर्यावरण संरक्षण और हरित आवरण बढ़ाने के संकल्प के साथ पौधे लगाए।इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी बासुकीनाथ टुडू ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण,जलवायु परिवर्तन और लगातार घटते वन क्षेत्र के कारण पर्यावरण संरक्षण की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है।उन्होंने कहा कि वृक्ष न केवल शुद्ध वायु प्रदान करते हैं।बल्कि जल संरक्षण जैव विविधता के संरक्षण और प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने और लगाए गए पौधों की देखभाल करने की अपील की।साथ ही कहा कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण देने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी।कार्यक्रम में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी राहुल रौशन मरांडी,मनरेगा वीपीओ शंकर साह,क्लर्क शफीक अनवर,राजेश कुमार,वंदना कुमारी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

एसआईआर मतदाता सूची को शुद्ध पारदर्शी व विश्वसनीय बनाना है : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी साहिबगंज श्री दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर 2026 के संबंध में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की प्रक्रिया, समय-सारिणी, मतदाता सत्यापन अभियान तथा राजनीतिक दलों की भूमिका से संबंधित जानकारी साझा करना था।बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकारी श्री गौतम भगत, निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी राजमहल, बोरियो एवं बरहेट सहित विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। जबकि संबोधित करते हुए उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी दीपक कुमार दूबे ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक अद्यतन, शुद्ध, पारदर्शी एवं विश्वसनीय बनाना है। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित इस महत्वपूर्ण अभियान की जानकारी बूथ स्तर तक पहुंचाने तथा पात्र मतदाताओं को जागरूक करने में सक्रिय सहयोग देने की अपील की। बैठक में बताया गया कि विशेष गहन पुनरीक्षण के

तहत 20 जून से 29 जून 2026 तक तैयारी, प्रशिक्षण एवं प्रपत्रों के मुद्रण का कार्य किया जाएगा। इसके पश्चात 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर इन्न्यूमरेशन फॉर्म का वितरण एवं संग्रहण किया जाएगा। इस दौरान बीएलओ मतदाताओं को प्रपत्र भरने की प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान करेंगे। प्राप्त प्रपत्रों को प्रतिदिन बीएलओ के माध्यम से डिजिटाइज किया जाएगा।बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि यदि किसी मतदाता से प्रथम भ्रमण के दौरान संपर्क स्थापित नहीं हो पाता है, तो बीएलओ द्वारा पुनः भ्रमण कर उनसे संपर्क स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक पात्र मतदाता इस प्रक्रिया में शामिल हो सकें।उप निर्वाचन पदाधिकारी श्री गौतम भगत ने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की विस्तृत समय-सारिणी की जानकारी देते हुए बताया कि 05 अगस्त 2026 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। इसके उपरांत 05 अगस्त से 04 सितंबर 2026 तक दावा एवं आपत्ति प्राप्त किए जाएंगे। प्राप्त दावों एवं आपत्तियों के निष्पादन की प्रक्रिया 03 अक्टूबर 2026 तक पूर्ण की जाएगी तथा 07 अक्टूबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। बैठक के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को बूथ लेवल एजेंट की भूमिका एवं दायित्वों से भी अवगत कराया गया। बताया गया कि बीएलओ एवं बीएलए के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होने से मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को और अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनाया जा सकेगा। इस उद्देश्य से प्रखंड स्तर पर समन्वय बैठकों के आयोजन की भी जानकारी दी गई। जिसमें जिले में संचालित मतदाता मैपिंग कार्य की प्रगति की समीक्षा भी की गई। बताया गया कि राजमहल विधानसभा क्षेत्र में 86.57 प्रतिशत, बरहेट विधानसभा क्षेत्र में 83.13 प्रतिशत तथा बोरियो विधानसभा क्षेत्र में 77.77 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग पूर्ण हो चुकी है। जिले में कुल मैपिंग प्रगति 82.80 प्रतिशत है। शेष मतदाताओं की मैपिंग का कार्य भी निरंतर प्रगति पर है।बैठक में इन्न्यूमरेशन फॉर्म की संरचना, मतदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली जानकारी, फोटो संलग्न करने की प्रक्रिया तथा दावा एवं आपत्ति से संबंधित प्रावधानों की भी विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए विभिन्न बिंदुओं एवं जिज्ञासाओं पर अधिकारियों द्वारा विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

पर्यावरण संरक्षण में जरूरी : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी श्री दीपक कुमार दुबे के नेतृत्व में समाहरणालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त द्वारा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।वृक्षारोपण के उपरांत उपायुक्त श्री दुबे ने उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम-से-कम एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए तथा उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण संतुलन के लिए ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं।उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को प्रेरित करते हुए कहा कि विभिन्न कार्यक्रमों एवं अवसरों पर पारंपरिक गुलदस्तों के स्थान पर

पौधे अथवा पुस्तक भेंट करने की परंपरा को बढ़ावा दिया जाए, ताकि पर्यावरण संरक्षण एवं ज्ञान संवर्धन दोनों उद्देश्यों की पूर्ति हो सके। कार्यक्रम के दौरान उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत, अनुमंडल पदाधिकारी साहिबगंज श्री अमर जॉन, कार्यपालक दंडाधिकारी प्रमोद आनंद, जिला खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार किस्कू, जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, जिला उद्यान पदाधिकारी अमितेश रंजन सहित अन्य पदाधिकारियों द्वारा भी फलदार एवं छायादार वृक्षों का पौधारोपण किया गया।कार्यक्रम के अंत में उपायुक्त द्वारा उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता व हरित वातावरण के संवर्धन हेतु शपथ दिलाई गई। उन्होंने सभी से पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देने तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का आह्वान किया। जिला स्तरीय पदाधिकारी, समाहरणालय संवर्ग के सभी कर्मी व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।एक वृक्ष अनेक जीवन आइए पर्यावरण संरक्षण को अपनी जिम्मेदारी बनाएं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर स्वच्छ गंगा हरित धरती और सुरक्षित भविष्य का लिया संकल्प

संवाददाता

साहिबगंज : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पंचायत राजमहल द्वारा नगर अध्यक्ष केताबुद्दीन शेख, उपाध्यक्ष मो. मारूफ कार्यपालक पदाधिकारी दानिश हुसैन के नेतृत्व में वार्ड संख्या-03 स्थित नमामि गंगे घाट काली घाट में विशेष गंगा स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। अभियान के तहत गंगा तट की व्यापक साफ-सफाई की गई और आमजन को पर्यावरण संरक्षण स्वच्छता जल स्रोतों के संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।स्वच्छता अभियान के उपरांत व्यवहार न्यायालय परिसर, राजमहल में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में न्यायिक पदाधिकारियों एवं नगर पंचायत प्रतिनिधियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित आवरण बढ़ाने का संदेश दिया।वृक्षारोपण कार्यक्रम में संजीव कुमार सिंह, अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय, श्रीमती वैशाली श्रीवास्तव, जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश-प्रथम, पूर्णेंदु शरण, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश-तृतीय, सुश्री कमला कुमारी, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी व सिविल जज वरिष्ठ प्रभाग प्रथम, रणजय कुमार सिविल जज वरिष्ठ प्रभाग तृतीय व न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, हस्मुद्दीन वारिस, अनुमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी, राजमहल

एवं सुश्री मानसी, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी सहित न्यायालय के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।इस अवसर पर सभी अधिकारियों, कर्मियों एवं नागरिकों ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और हरियाली को बढ़ावा देने हेतु शपथ ग्रहण कर प्रकृति संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उपस्थित अधिकारियों ने नागरिकों से वृक्षारोपण एवं स्वच्छता को जन आंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण ही स्वस्थ एवं समृद्ध समाज की आधारशिला है।कार्यक्रम में विभिन्न वार्डों के वार्ड पार्षद, सिटी मैनेजर, स्वयं सहायता समूहों के सदस्य तथा नगर पंचायत के अन्य कर्मी भी उपस्थित रहे। स्वच्छ गंगा, हरित धरती और सुरक्षित भविष्यह्व के संकल्प के साथ आयोजित यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक सहभागिता और सामाजिक जागरूकता का प्रेरणादायी उदाहरण बना।

जीवन में पर्यावरण की अहम भूमिका है : दीपक

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : विश्व पर्यावरण दिवस पर बरहरवा नगर पंचायत प्रांगण में नगर अध्यक्षा अर्पिता दास के नेतृत्व में पर्यावरण को सुरक्षित और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिस दौरान बारी बारी से बरहरवा नगर कार्यपालक पदाधिकारी दीपक कुमार ,उपाध्यक्ष राजकुमार भगत एवं उपस्थित वार्ड पार्षदों ने वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम को लेकर नगर अध्यक्ष श्रीमति दास ने कहा कि संसार के लोगों के जीवन में पर्यावरण की एक महत्वपूर्ण भूमिका है जो प्राकृतिक देंन है ये केवल सुंदरता ही नहीं बल्कि पूरे पृथ्वी की जीवनशैली को व्यवस्थित करने और हमें

उचित समय पर प्राकृतिक लाभ वर्षा और शुद्ध वातावरण भी प्रदान करता है। इसके बिना जीवन संभव नहीं है परंतु वर्तमान समय मे खास कर शहरी क्षेत्रों में इसकी उपलब्धता धीरे धीरे कम होती जा रही है,जिसके कारण हमारा वातावरण दूषित हो रहा है साथ ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण से मौसम में बदलाव की समय सीमा भी खंडित हो रही है,इसलिए हमें पर्यावरण को सुरक्षित रखना जीवन का एक महत्वपूर्ण उद्देश्यों में शामिल करना होगा,हर व्यक्ति को पेड़ लगाना चाहिए जितनी ज्यादा पेड़ पौधे हमारे आस पास होंगे वातावरण उतना ज्यादा सुरक्षित और व्यवस्थित रहेगी।नगर उपाध्यक्ष राजकुमार भगत ने कहा कि हम संकल्प लेते है कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए समाज के हर वर्ग के लोगो जागरूक करेंगे और अपनी माँ के नाम से एक पेड़ जरूर लगायेंगे।सभी वार्ड पार्षद अपने अपने वार्ड में पेड़ लगायेंगे और पेड़ो को कटने से बचायेंगे एवं उनकी सुरक्षा के लिए लोगों को भी जागरूक करेंगे।मौके पर बरहरवा नगर पंचायत के वार्ड पार्षद व पदाधिकारी व नगर पंचायतकर्मी उपस्थित थे।

हैदराबाद में लोडर से दबकर इचाक के मजदूर की मौत

इचाक : प्रखंड की डाडीघाघर पंचायत अंतर्गत गरड़ी गांव निवासी 19 वर्षीय सतीश कुमार (पिता-जानकी सिंह) की हैदराबाद के पिलापल्ली शहर में लोडर से दबकर मौत हो गई। सतीश करीब डेढ़ माह पूर्व हेल्पर के रूप में काम करने हैदराबाद गया था। मुखिया नंदकिशोर कुमार ने बताया कि दो जून को चालक समेत चार लोग लोडर में डीजल भर रहे थे। इसी दौरान वाहन का ब्रेक फेल हो गया और लोडर पीछे लुढ़क गया। इसकी चपेट में आने से सतीश और पलामू के एक अन्य हेल्पर की मौके पर ही मौत हो गई। चालक और एक अन्य मजदूर समय रहते कूदकर बच निकले। तीन जून को शव गांव पहुंचते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। सतीश दो भाइयों और दो बहनों में सबसे छोटा था। आर्थिक तंगी के कारण उसने मैट्रिक के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी और मजदूरी करने बाहर गया था। जवान बेटे के निधन से माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। अंतिम संस्कार के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है : अखिल कुमार

संवाददाता

साहिबगंज : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निर्देशानुसार एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहिबगंज अखिल कुमार के नेतृत्व में व्यवहार न्यायालय परिसर साहिबगंज में पर्यावरण संरक्षण, प्रकृति संवर्धन व हरित भविष्य के निर्माण के उद्देश्य से विशेष पौधारोपण व जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहिबगंज अखिल कुमार द्वारा न्यायालय परिसर में स्वयं पौधारोपण कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है तथा आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण प्रदान करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अधिकाधिक वृक्षारोपण करने लगाए गए पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लेने का आह्वान किया कार्यक्रम में न्यायिक

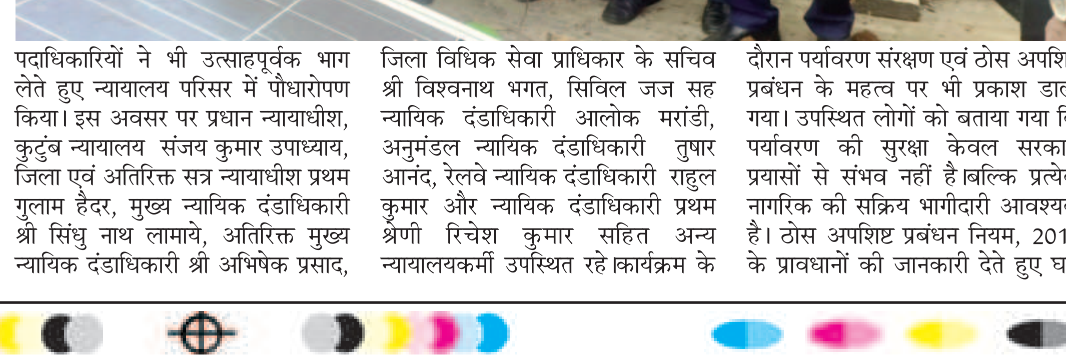

पदाधिकारियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए न्यायालय परिसर में पौधारोपण किया। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय संजय कुमार उपाध्याय, जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रथम गुलाम हैदर, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी श्री सिंधु नाथ लामाये, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी श्री अभिषेक प्रसाद, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव श्री विश्वनाथ भगत, सिविल जज सह न्यायिक दंडाधिकारी आलोक मरांडी, अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी तुषार आनंद, रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी राहुल कुमार और न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी रिचेश कुमार सहित अन्य न्यायालयकर्मी उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। उपस्थित लोगों को बताया गया कि पर्यावरण की सुरक्षा केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है।बल्कि प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए घरों संस्थानों में कचरे के पृथक्करण जैविक व अजैविक अपशिष्ट के अलग-अलग संग्रहण व उनके वैज्ञानिक एवं पर्यावरण अनुकूल निस्तारण के प्रति जागरूक किया गया।पारा विधिक स्वयंसेवकों एवं डालसा कर्मियों द्वारा आमजनों को प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने, स्वच्छता बनाए रखने जल प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार होने के साथ-साथ उसका नैतिक दायित्व भी है।अंत में उपस्थित सभी न्यायिक पदाधिकारियों, न्यायालय कर्मियों, पारा विधिक स्वयंसेवकों एवं नागरिकों ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, वृक्षारोपण और हरित सुरक्षित भविष्य के निर्माण हेतु सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

एशियन गेम्स के स्थान दांव पर, सिलेक्शन ट्रायल्स-4 शनिवार से शुरू

देहरादून : नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) द्वारा ग्रुप ह्यएह्व निशानेबाजों के लिए राइफल और पिस्टल स्पधाओं के सिलेक्शन ट्रायल्स 4 का आयोजन 6 से 10 जून तक देहरादून स्थित त्रिशूल शूटिंग रेंज में किया जाएगा। इन ट्रायल्स के बाद अगले महीने चीन के हांगझोउ में होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप तथा सितंबर में होने वाले एशियाई खेल 2026 के लिए भारतीय टीम का चयन एनआरएआई की चयन नीति के अनुसार किया जाएगा। देश के सभी शीर्ष निशानेबाज इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। एशियन गेम्स के लिए राइफल, पिस्टल और शॉटगन तीनों विधाओं में कुल प्रतिभागियों की संख्या 30 तक सीमित होने के कारण कई निशानेबाजों को टीम में जगह बनाने के लिए एक से अधिक स्पधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना होगा। इसी वजह से इस बार के चयन ट्रायल्स का महत्व और भी बढ़ गया है। प्रतियोगिता की शुरूआत 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल पुरुष वर्ग के स्टेज-1 मुकाबलों से होगी। इस स्पर्धा का फाइनल तथा 10 मीटर एयर राइफल पुरुष और महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले 7 जून को आयोजित किए जाएंगे।

भारत-अफगानिस्तान टेस्ट : भारत ने पहले सत्र में बनाए 96 रन, राहुल, सुदर्शन की संयमित बल्लेबाजी

एजेंसी

न्यू चंडीगढ़ (पंजाब) : एकमात्र टेस्ट मैच के पहले दिन भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ मजबूत शुरूआत करते हुए पहले सत्र की समाप्ति तक 25 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 96 रन बना लिए। केएल राहुल और साई सुदर्शन नाबाद लौटे। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरूआत केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ने की। दोनों बल्लेबाजों ने संभलकर खेलते हुए टीम को अच्छी शुरूआत दिलाई। यशस्वी ने पहले ही ओवर में जियाउर

रहमान शरीफी की गेंद पर चौका लगाकर भारत के इरादे साफ कर दिए। हालांकि अफगानिस्तान के गेंदबाजों ने अनुशासित गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। भारत को पहला झटका 12वें ओवर की आखिरी गेंद पर लगा, जब मोहम्मद सलीम साफी ने यशस्वी जायसवाल को विकेटकीपर के हाथों कैच कराकर पवेलियन भेजा।

जायसवाल 32 गेंदों पर 24 रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद साई सुदर्शन ने केएल राहुल का साथ निभाया और दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 78 गेंदों में 55 रन की साझेदारी कर भारत को लंच तक सुरक्षित स्थिति में पहुंचाया।

पहले सत्र की समाप्ति तक केएल राहुल 37 रन और साई सुदर्शन 32 रन बनाकर नाबाद रहे। इस मुकाबले में भारत ने अपनी प्लेइंग इलेवन में छह बाएं हाथ के बल्लेबाजों को मौका दिया, जो पिछले वर्ष दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दोनों टेस्ट मैचों के बाद तीसरा अवसर है जब भारतीय टीम इतने अधिक बाएं हाथ के बल्लेबाजों के साथ उतरी है।

संक्षिप्त स्कोरः

भारत – 25 ओवर में 96/1

केएल राहुल 37*, साई सुदर्शन 32*

मोहम्मद सलीम साफी 1/27

'डॉन 3' पर रणवीर सिंह के सपोर्ट में उतरीं पद्मिनी कोल्हापुरे

बॉलीवुड की चर्चित फिल्म 'डॉन 3' इन दिनों अपनी कहानी से ज्यादा विवादों की वजह से सुर्खियों में बनी हुई है। जब से यह खबर सामने आई है कि रणवीर सिंह इस फिल्म से बाहर हो गए हैं, तब से फिल्म इंडस्ट्री में लगातार चर्चाएं तेज हैं। इस मामले ने बड़ा रूप तब लिया, जब फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज (एफडब्ल्यूआईसीई) ने एक्टर को बैन कर दिया। अब इस विवाद के बीच सिने एंड टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन (सिंटा) की वाइस-प्रेसिडेंट और दिग्गज एक्ट्रेस पद्मिनी कोल्हापुरे ने रणवीर सिंह के प्रति सपोर्ट जताया है। बात करते हुए पद्मिनी कोल्हापुरे ने रणवीर सिंह को सपोर्ट करते हुए बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा, 'सिंटा को रणवीर सिंह के मेंबर होने पर गर्व है। जब भी उन्हें हमारी जरूरत होती है, हम उनके साथ खड़े रहते हैं। यह बात पहले ही पब्लिक डोमेन में आ चुकी है, इसलिए मैं इस पर और कोई कॉमेंट नहीं करना चाहती। हम उनके लिए, उनके साथ हैं। अगर उन्हें कभी हमारी जरूरत पड़ी तो हम रणवीर सिंह के लिए हमेशा खड़े हैं। सिंटा को रणवीर सिंह के मेंबर होने पर गर्व है। जब भी उन्हें हमारी जरूरत होती है, हम उनके साथ खड़े रहते हैं। हम उनके लिए, उनके साथ हैं। अगर उन्हें कभी हमारी जरूरत पड़ी तो हम रणवीर सिंह के लिए हमेशा खड़े हैं।

मेकर्स को लगभग 45 करोड़ रुपए का नुकसान

पद्मिनी कोल्हापुरे का यह बयान ऐसे समय आया है, जब रणवीर सिंह लगातार दबाव का सामना कर रहे हैं। दरअसल, यह पूरा विवाद उस समय शुरू हुआ जब फिल्म 'डॉन 3' के निर्देशक और एक्टर फरहान अख्तर ने एफडब्ल्यूआईसीई से शिकायत की। बताया गया कि रणवीर के फिल्म छोड़ने की वजह से मेकर्स को लगभग 45 करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा।

फॉर्मूला-1 और लास वेगास के बीच 2037 तक करार, अगले 10 वर्षों तक स्ट्रिप पर दौड़ेंगी रेस कारें

एजेंसी

लास वेगास : फॉर्मूला-1 ने शुक्रवार को आधिकारिक रूप से घोषणा की है कि प्रतिष्ठित लास वेगास ग्रां प्री अब 2037 तक आयोजित होती रहेगी। नए 10 वर्षीय विस्तार समझौते के तहत फॉर्मूला-1, लास वेगास ग्रां प्री इंक., क्लार्क काउंटी प्रशासन और लास वेगास कन्वेंशन एंड विजिटर्स अथॉरिटी (एलवीसीवीए) ने इस वैश्विक आयोजन के भविष्य को दीर्घकालिक रूप से सुरक्षित किया है। 2023 में फॉर्मूला-1 कैलेंडर में शामिल होने के बाद लास वेगास ग्रां प्री ने खुद को दुनिया के सबसे चर्चित मोटरस्पोर्ट आयोजनों में स्थापित किया है। लास वेगास स्ट्रिप के बीचोंबीच होने वाली यह रेस अब केवल खेल आयोजन नहीं बल्कि खेल, मनोरंजन, व्यवसाय और पर्यटन का वैश्विक मंच बन चुकी है।' 6.2 किलोमीटर लंबे लास वेगास स्ट्रिप सर्किट पर ड्राइवर 322 किमी प्रति घंटे (200 मील प्रति घंटा) से अधिक की रफ्तार से दौड़ते हैं। यह ट्रैक बेलाजियो, सीजर्स पैलेस, विन लास वेगास और द वेनेशियन रिजॉर्ट जैसे प्रतिष्ठित स्थलों के बीच से गुजरता है। रेस के इतिहास में अब तक मैक्स वर्स्टैपेन ने दो बार (2023 और 2025) जीत

हासिल की है, जबकि जॉर्ज रसेल ने 2024 में खिताब अपने नाम किया था। 2024 के आयोजन में कुल 113 ओवरटेक देखने को मिले थे और उसी वर्ष वर्स्टैपेन ने लगातार चौथा एफआईए फॉर्मूला-1 विश्व चैम्पियनशिप खिताब जीता था।

आर्थिक प्रभाव के मामले में भी यह आयोजन बेहद सफल रहा है। 2023 से 2025 तक केवल तीन संस्करणों में इस ग्रां प्री ने दक्षिणी नेवादा की अर्थव्यवस्था में कुल 3.2 अरब डॉलर का योगदान दिया। सभी तीनों संस्करण पूरी तरह सोल्ड आउट रहे। केवल 2025 में इस आयोजन ने 4.3 करोड़ डॉलर का राज्य और स्थानीय कर राजस्व प्राप्त हुआ, जिसमें से 1.5 करोड़ डॉलर स्थानीय ड-12 शिक्षा कार्यक्रमों के लिए निर्धारित किए गए। इसके अलावा, लास वेगास ग्रां प्री फाउंडेशन ने अब तक गैर-लाभकारी संस्थाओं को 20 लाख डॉलर से अधिक का सहयोग दिया है और स्थानीय छात्रों के लिए शैक्षिक अवसर भी उपलब्ध कराए हैं। फॉर्मूला-1 के अध्यक्ष और सीईओ स्टेफानो डोमेनिकाली ने कहा कि लास वेगास ने कम समय में खुद को अमेरिका में फॉर्मूला-1 की पहचान का प्रमुख केंद्र बना लिया है और यह विस्तार उस दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

ताजिकिस्तान से पहला मैत्री फुटबॉल मैच हारा भारत, ब्लू टाइगर्स को 1-3 से मिली हार

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम को शुक्रवार रात तुर्सुनजोडा के टालको एरिना में खेले गए अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले में ताजिकिस्तान के खिलाफ 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारत लगातार तीसरा अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच गंवा बैठा। मुकाबले की शुरूआत से ही ताजिकिस्तान ने आक्रामक खेल दिखाया और नौवें मिनट में शरीदीन बोबोएव ने पेनाल्टी को गोल में बदलकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। भारतीय टीम पहले हाफ में ताजिकिस्तान की संगठित रक्षापंक्ति को भेदने में सफल नहीं हो सकी और मध्यांतर तक 0-1 से पीछे रही। दूसरे हाफ में भारत ने बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश की, लेकिन ताजिकिस्तान ने खेल

पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली। 61वें मिनट में मेखरबोन करीमोव ने गोल कर बढ़त दोगुनी कर दी। इसके छह मिनट बाद एहसन पंजशानबे ने तीसरा गोल दागकर स्कोर 3-0 कर दिया। भारत की ओर से मुकाबले के 88वें मिनट में फरुख चौधरी ने शानदार गोल कर अंतर कम किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और टीम हार से नहीं बच सकी। भारतीय टीम इस मुकाबले से पहले लंदन में आयोजित यूनिटी कप में भी दो हार झेल चुकी थी, जहां उसे जमैका से 0-2 और जिम्बाब्वे से 0-1 से पराजय मिली थी। यह मुकाबला भारत की आगामी महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं की तैयारियों का हिस्सा था। मुख्य कोच खालिद जमील ने इस मैच का उपयोग टीम संयोजन परखने और खिलाड़ियों को मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अनुभव देने के लिए किया। भारत अब ताजिकिस्तान के खिलाफ दूसरा अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबला 9 जून को खेलेगा।

महिला अंडर-18 एशिया कप 2026: भारत ने कोरिया को 3-0 से हराकर जीता कांस्य पदक

नई दिल्ली: भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने शनिवार को जापान के काकामिगाहारा में खेले गए महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 के कांस्य पदक मुकाबले में कोरिया को 3-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की और टूनार्मेंट का समापन कांस्य पदक के साथ किया। भारत की ओर से संदीपा कुमारी (2वां मिनट), कप्तान स्वीटी कुजूर (16वां मिनट) और नौशीन नाज (33वां मिनट) ने गोल दागे। पूरे मुकाबले में भारतीय टीम ने आक्रामक खेल और मजबूत रक्षापंक्ति का शानदार प्रदर्शन किया। सेमीफाइनल में चीन के खिलाफ शूटआउट में मिली करीबी हार के बाद भारतीय टीम ने कांस्य पदक मुकाबले में दमदार वापसी की। मैच शुरू होने के मात्र दो मिनट के भीतर संदीपा कुमारी ने बेहतरीन गोल कर भारत को बढ़त दिला दी। पहले गोल के बाद भारतीय टीम लगातार आक्रमण करती रही और गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा। इसका फायदा 16वें मिनट में मिला जब कप्तान स्वीटी कुजूर ने फील्ड गोल कर भारत की बढ़त 2-0 कर दी। दूसरे हाफ में भी भारत ने अपना दबदबा बनाए रखा। 33वें मिनट में टूनार्मेंट की शीर्ष गोल स्कोरर नौशीन नाज ने शानदार फील्ड गोल कर बढ़त को 3-0 तक पहुंचा दिया। इस गोल के साथ नौशीन ने पूरे टूनार्मेंट में अपने गोलों की संख्या 12 कर ली और शीर्ष स्कोरर के रूप में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली। रक्षापंक्ति में भी भारतीय टीम ने अनुशासित प्रदर्शन किया और कोरिया को कोई स्पष्ट मौका नहीं दिया। भारतीय खिलाड़ियों ने क्लीन शीट बनाए रखते हुए मुकाबला आसानी से अपने नाम कर लिया। शानदार प्रदर्शन और शुरूआती गोल करने वाली संदीपा कुमारी को ह्यप्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 में भारतीय टीम ने कुल 36 गोल दागते हुए अपनी आक्रामक क्षमता, मजबूत रक्षा और भविष्य की संभावनाओं की शानदार झलक दिखाई।

हेमा मालिनी अब पहली बार लाइव स्टेज पर गाएंगी

कॉन्सर्ट के आखिर में होगा एक सरप्राइज गाना

हेमा मालिनी पहली बार लाइव स्टेज पर गाने वाली हैं। म्यूजिकल कार्यक्रम 'द ड्रीम गर्ल्स डायमंड जुबली कॉन्सर्ट' एक चैरिटी इवेंट होगा, जिसके जरिए अपने फिल्मी सफर की यादें दर्शकों के सामने रखेंगी। इस दौरान मंच पर उनके जीवन और करियर के कई यादगार पड़ावों को संगीत और किस्सों के जरिए पेश किया जाएगा। बॉलीवुड एक्ट्रेस और सांसद हेमा मालिनी अपने शानदार फिल्मी करियर में एक और नया अध्याय जोड़ने जा रही हैं। वह अब पहली बार लाइव स्टेज पर गाने वाली हैं। यह कार्यक्रम 10 जुलाई को मुंबई में आयोजित होगा। इसके जरिए हेमा मालिनी अपने फिल्मी सफर की यादें दर्शकों के सामने रखेंगी। मंच पर उनके जीवन और करियर के कई यादगार पड़ावों को संगीत और किस्सों के जरिए पेश किया जाएगा।

आमिर खान के हाथ लगी यह धांसू बायोपिक

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान और निर्देशक आशुतोष गोवारिकर एक बार फिर साथ आने जा रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों दिग्गज अब भारतीय क्रिकेट के महान खिलाड़ी लाला अमरनाथ की जिंदगी पर आधारित एक भव्य पीरियड क्रिकेट ड्रामा बना रहे हैं। फिल्म को दिसंबर 2027 में थिएटर रिलीज करने की तैयारी चल रही है। खास बात यह है कि फिल्म की रिलीज टाइमिंग 1952 की ऐतिहासिक भारत-पाकिस्तान टेस्ट सीरीज के 75 साल पूरे होने के मौके से जोड़ी जा रही है। बताया जा रहा है कि यह सिर्फ क्रिकेट फिल्म नहीं होगी, बल्कि विभाजन के बाद भारत-पाक रिश्तों और उस दौर की भावनात्मक कहानी भी बड़े स्तर पर दिखाएगी।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म में लाला अमरनाथ की क्रिकेट यात्रा के साथ-साथ विभाजन के बाद के भारत का माहौल भी दिखाया जाएगा। मेकर्स शुरुआती 1950 के दशक का राजनीतिक और भावनात्मक माहौल बड़े पैमाने पर रिक्रिएट करने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से लिखा गया है, 'आशुतोष लंबे समय से इस दौर पर रिसर्च कर रहे हैं। मकसद सिर्फ क्रिकेट राइवलरी नहीं, बल्कि विभाजन के बाद के शुरुआती वर्षों का भावनात्मक और राजनीतिक माहौल भी दिखाना है। फिल्म का प्री-प्रोडक्शन शुरू हो चुका है। कास्टिंग, लोकेशन रैकी और शूटिंग शेड्यूल पर तेजी से काम चल रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग भारत समेत कुछ इंटरनेशनल लोकेशंस पर भी होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्रों ने बताया, 'टारगेट साफ है-फिल्म को 2027 के मध्य तक पूरा करना और दिसंबर 2027 में सिनेमाघरों तक पहुंचाना।'

लाला अमरनाथ बनने की तैयारी में आमिर खान

बताया जा रहा है कि आमिर खान इस रोल के लिए खास फिजिकल ट्रेनिंग ले रहे हैं। वह लाला अमरनाथ की बॉडी लैंग्वेज, बैटिंग स्टाइल और पर्सनैलिटी को करीब से समझने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि किरदार को पूरी प्रामाणिकता के साथ स्क्रीन पर उतारा जा सके। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि फरहान अख्तर फिल्म में एक अहम कैमियो कर सकते हैं। माना जा रहा है कि वह एक पाकिस्तानी क्रिकेटर के रोल में नजर आएंगे, जिसकी लाला अमरनाथ से गहरी दोस्ती होती है, लेकिन विभाजन के बाद वह पाकिस्तान में ही रहने का फैसला करता है। इससे कहानी में इमोशनल लेयर और गहरी हो सकती है।

25 साल बाद फिर साथ आए आमिर और आशुतोष

यह फिल्म इसलिए भी खास मानी जा रही है क्योंकि 'लगान' के 25 साल बाद आमिर खान और आशुतोष गोवारिकर की जोड़ी फिर साथ काम कर रही है।

शाहिद कपूर ने फैंस को दिखाया अपना 'बचपन का स्वैग'

● तस्वीर शेयर कर बोले- तब भी कमाल का था फैशन सेंस

अभिनेता शाहिद कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल-2' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। शनिवार को अभिनेता ने फैंस के साथ अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक प्यारी सी तस्वीर पोस्ट की। इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अभिनेता ने तस्वीर पोस्ट की। इसमें छोटा-सा शाहिद

मोटरसाइकिल के पास खड़े होकर बड़े ही स्वैग के साथ पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर में शाहिद कपूर का अंदाज वाकई देखने लायक है। इस फोटो को शेयर करते हुए अभिनेता ने लिखा, 'जब आपको बाइक्स का बेहद शौक हो और आपको खुद भी इस बात का अंदाजा न हो... जैसा कि आप इस फोटो में देख सकते हैं, मेरा फैशन सेंस भी बचपन से ही काफी शानदार था।

अभिनेता शाहिद कपूर जल्द ही आगामी फिल्म 'कॉकटेल-2' में नजर आएंगे। यह फिल्म सुपरहिट रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'कॉकटेल' का सीक्वल है। फिल्म का संगीत प्रीतम द्वारा तैयार किया गया है। इसका रोमांटिक ट्रैक 'तुझको', सॉन्ग 'माशूका' और 'जब तलक' पहले ही रिलीज हो चुका है, जिसे दर्शकों का काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। आधुनिक रिश्तों और भावनात्मक उलझनों पर आधारित इस फिल्म में एक नया और दिलचस्प लव-ट्रायंगल देखने को मिलेगा। फिल्म की कहानी बिल्कुल नए किरदारों के साथ आज के दौर के आधुनिक रिश्तों पर आधारित है। बताया जा रहा है कि इसमें कृति सेनन और रश्मिका मंदाना एक लेस्बियन कपल के रूप में नजर आ सकती हैं।

तेलुगु और तमिल फिल्मों में दिलचस्पी

मगर मलयालम फिल्मों में काम नहीं करना चाहतीं जाह्नवी

अभिनेत्री जाह्नवी कपूर की फिल्म 'पेड्डी' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। हिंदी के साथ ही साउथ की फिल्मों में काम कर चुकीं जाह्नवी कपूर ने कहा कि वह दोबारा मलयालम सिनेमा में काम नहीं करना चाहती हैं। उन्होंने इसके पीछे की वजह भी बताई। हाल ही में फिल्म 'परम सुंदरी' में काम करने के बाद उन्होंने माना कि मलयालम भाषा उनके लिए काफी मुश्किल साबित हुई। जाह्नवी कपूर ने एक इंटरव्यू में बताया कि साल 2024 में तेलुगु फिल्म 'देवराः पार्ट 1' से दक्षिण भारतीय सिनेमा में डेब्यू करने के बाद अब वे खुद को कई भाषा जानने वाली अभिनेत्री मानती हैं। उन्होंने बताया, 'सच कहूं तो मुझे सभी भाषाएं सीखनी हैं। लेकिन मलयालम भाषा की फोनेटिक्स (उच्चारण) मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रही। मुझे नहीं लगता कि मुझे दोबारा मलयालम में काम करना चाहिए क्योंकि यह मेरे लिए बहुत मुश्किल है। यह बहुत खूबसूरत और प्यारी भाषा है, लेकिन तमिल और तेलुगु की आवाजों से मैं काफी हद तक परिचित हूं।' साल 2018 में फिल्म 'धड़क' से करियर की शुरुआत करने वाली जाह्नवी कपूर 'गुंजन सक्सेना', 'मिली' और 'देवराः पार्ट 1' जैसी फिल्में दे चुकी हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने गोंडा जिले में 516 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया

एजेंसी

गोंडा : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के गोंडा जनपद में 516 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छी सरकार चुनने का नतीजा है कि आज गोंडा का विकास हो रहा है। गोंडा अपनी खोई हुई पहचान को वापस पा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में जिले के धार्मिक स्थलों को नमन करते हुए कहा कि गोंडा जिला अत्यंत ऊजार्वान है। यहां की बहन बेटियां प्रतिभाशाली हैं। जिले का अपना पौराणिक इतिहास है। स्वाधीनता आंदोलन में इस जिले ने अग्रणी भूमिका अदा की। लेकिन आजादी के बाद जो विकास होना चाहिए था, नहीं हुआ। तुष्टीकरण, भाई भतीजा वाद की भेंट चढ़ गया।

एक नियोजित प्रयास के अभाव में जनपद पिछड़ता गया। एक समय ऐसा आ गया था जब प्रदेश के अन्य जिलों के साथ गोंडा के युवाओं के साथ पहचान का संकट हो गया था। आज मै कह सकता हूं कि पिछले 12 सालों से मोदी के नेतृत्व में और नौ वर्षों में डबल इंजन की सरकार ने काम किया है। आज देश दुनिया में कहीं जाएंगे तो यूपी का नाम आते ही नौ कदम पीछे जाने वाला आगे आकर स्वागत करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पास में अयोध्या धाम है। गोंडा के युवाओं के साथ दोस्ती करोगे तो भगवान की कृपा मिल जाएगी।

उन्होंने कहा कि आज गोंडा के युवा सरकारी नौकरी हासिल कर रहे हैं गोंडा, बहराइच, बलरामपुर और श्रावस्ती का युवा भी सरकारी नौकरी प्राप्त कर रहा है। आज चेहरा, जाति, वर्ग और क्षेत्र नहीं देखा जा रहा है। सबको योजना का लाभ दिया जा रहा है। मोदी ने यही कहा था। सबका साथ सबका विकास का नारा दिया था।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अब वह नहीं होने देंगे जो 2017 से पहले होता था। मुझे याद है कि 17 से पहले दुर्गा पूजा नहीं होने दिया जाता था। विसर्जन और रामलीलाओं में अड़चन डाला जा रहा था। व्यापारी और बेटी सुरक्षित नहीं थी। सत्ता में बैठे लोग दंगाइयों, माफियों के आगे शरणागत थे। उन्हें संरक्षण देते थे। आज विकास हो रहा है। बहन बेटियां सुरक्षित महसूस करती हैं। आज पर्व और त्योहारों में व्यवधान नहीं डाल सकता है। रंग में भंग नहीं डाल सकता। यादि डालने की कोशिश की तो उसका हश्र बुरा होगा।योगी ने कहा कि आपने तो राम मंदिर आंदोलन को देखा होगा। जिन लोगों की 40 की आयु है, उन्होंने अपनी आंखों से देखा है। आज आयोध्या चमक रही है। आपके पूर्वजों को स्वर्ग में भी खुशी हो रही होगी कि उनकी संतानें प्रत्यक्ष रूप में भगवान राम के भव्य मंदिर को देख रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहका कि अब केवल पश्चिम उप्र में ही विकास नहीं हो रहा है। आज इस जनपद के लिए योजनाएं लेकर आए हैं। क्या पहले कोई सोच सकता था कि गोंडा में मेडिकल कॉलेज होगा, इंजीनियरिंग कॉलेज होगा, आज हो रहा है। हमने यह नहीं कहा कि सैफई में ही मेडिकल बनेगा। आज सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज बन रहा है। यह तब हो रहा है जब आपने कमल का बटल दबाया। कमल का बटन दबाने से लक्ष्मी जी की कृपा हुई। धन वर्षा से जिले का विकास हो रहा है। आपके बगल के जिला श्रावस्ती में हवाईअड्डा बन रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज गोंडा के दो विधान सभा क्षेत्र कटरा और करनैलगंज के लिए परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया जा रहा है। 256 करोड़ की कटरा विधान सभा और 260 करोड़ की विकास परियोजनाएं करनैलगंज विधान सभा क्षेत्र के लिए हैं। हमने तय किया है कि दो-दो विधान सभा क्षेत्रों में मै खुद जाकर परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करूंगा। वहां की योजनाओं की समीक्षा करेंगे। विकास कार्यों का अवलोकन करेंगे। ताकि विकास की गति को और तेज किया जा सके।

इस मौके पर उनके साथ सांसद करण भूषण सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम मिश्र, विधायक बावन सिंह, विधायक अजय सिंह, विधायक विनय द्वीवेदी, प्रभात वर्मा, प्रेम नारायण पांडेय समेत अन्य गणमान्य जन उपस्थित थे।

उल्टी-दस्त और डिहाइड्रेशन के मरीज बढ़े, भीषण गर्मी से बिगड़ रही लोगों की सेहत जिला अस्पताल में लगी मरीजों की भीड़

एजेंसी

धमतरी : जिले में पड़ रही भीषण गर्मी और लगातार बढ़ती उमस अब लोगों की सेहत पर भारी पड़ने लगी है। मौसम की मार के चलते उल्टी-दस्त, डिहाइड्रेशन, बुखार, एनीमिया तथा अन्य मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। जिला अस्पताल सहित निजी अस्पतालों में भी मरीजों की भीड़ बढ़ने लगी है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार इन दिनों जिला अस्पताल में प्रतिदिन लगभग 350 से 400 ओपीडी पर्चियां कट रही हैं, जिनमें अधिकांश मरीज गर्मी से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। इस वर्ष की भीषण गर्मी ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। सुबह होते ही गर्म हवाओं का दौर शुरू हो जाता है और दिन चढ़ने के साथ उमस लोगों की परेशानी और बढ़ा देती है। स्थिति यह है कि पंखे और कूलर भी राहत देने में असफल साबित हो रहे हैं। लगातार बढ़ती गर्मी के कारण बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं सहित सभी वर्गों के लोग स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। अस्पतालों के वार्ड मरीजों से भरे नजर आ रहे हैं। उपचार सुविधाओं में सुधार के कारण धमतरी जिले के अलावा बालोद, कांकेर तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंच रहे हैं। चिकित्सकों के अनुसार तेज गर्मी और शरीर में पानी की कमी के कारण डिहाइड्रेशन, उल्टी-दस्त और बुखार के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. यू.एल. कौशिक ने बताया कि अत्यधिक गर्मी और उमस के कारण लोगों की सेहत प्रभावित हो रही है।

दिल्ली में वर्षा जल संचयन को बढ़ावा, सरकार देगी 50 हजार तक की वित्तीय सहायता

एजेंसी

नई दिल्ली : दिल्ली सरकार वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) को जनभागीदारी का अभियान बनाने जा रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ₹कैच द रेन₹ अपील को आगे बढ़ाते हुए राजधानी में जल संरक्षण और भूजल पुनर्भरण को व्यापक स्तर पर बढ़ावा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा जानकारी के अनुसार, सरकार वर्षा जल संचयन को प्रोत्साहित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। इसके तहत रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने वाले लोगों

को 50 हजार रुपये तक की वित्तीय सहायता दी जाएगी। साथ ही पानी के बिल में 10 प्रतिशत तक की रियायत भी प्रदान की जाएगी। रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार का लक्ष्य जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाना है, ताकि हर बूंद पानी को सहेजा जा सके और जल-सुरक्षित दिल्ली का निर्माण हो। उन्होंने बताया कि दिल्ली जल बोर्ड की ओर से तकनीकी सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा 100 वर्ग मीटर या उससे बड़े भवनों में वर्षा जल संचयन प्रणाली को अनिवार्य बनाने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राजधानी के 75 सीएम श्री स्कूलों में बड़े पैमाने पर वर्षा जल संचयन की तैयारी की जा रही है। इस पहल के माध्यम से लगभग 50 करोड़ लीटर वर्षा जल का संचयन करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि इससे छात्रों और समाज में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य भूजल स्तर को सुधारना और जल संसाधनों का संरक्षण करना है। सरकारी कार्यालयों में भी जल संरक्षण उपायों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मुख्यमंत्री के अनुसार, लगभग 2500 वर्ग फुट की छत से दो लाख लीटर तक वर्षा जल का संचयन संभव है।

उन्होंने दिल्लीवासियों से जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने और जल-सुरक्षित राजधानी के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी ने देवीपाटन मंदिर में दर्शन पूजन कर देश व प्रदेश के सुख समृद्धि की कामना की

बलरामपुर : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह देवीपाटन शक्तिपीठ के गर्भ गृह में पहुंच कर मां पाटेश्वरी की विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया। प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की।
मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद देवीपाटन पीठाधीश्वर महंत मिथिलेश नाथ योगी महाराज के साथ मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर का भ्रमण किया। मंदिर दर्शन के उपरांत मुख्यमंत्री गोशाला भी पहुंचे। वहां उन्होंने गायों के बीच समय बिताया। अपने हाथों से हरी घास खिलाई। इस दौरान मंदिर दर्शन पूजन के लिए पहुंचे श्रद्धालु मुख्यमंत्री की एक झलक पाने को उत्सुक दिखे। मुख्यमंत्री योगी जिंदाबाद के नारे भी लगाए। मुख्यमंत्री दो दिवसीय भ्रमण पर शुक्रवार को तुलसीपुर पहुंचे थे। तुलसीपुर में 293 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया था। देवीपटन में मंदिर में मुख्यमंत्री ने रात्रि विश्राम किया। शनिवार सुबह पूजन कर पूर्वाह्न 10 बजे यहां से गोंडा के लिए रवाना हुए।

लुधियाना स्टेशन पर हादसा, नई दिल्ली-कटरा ट्रेन के स्लीपर कोच का शौचालय धमाके के साथ टूटा, सभी यात्री सुरक्षित

एजेंसी

चंडीगढ़ : पंजाब के लुधियाना में शनिवार सुबह रेलवे स्टेशन पर खड़ी कटरा स्पेशल ट्रेन में जोरदार धमाके साथ दो कोच को आपस में जोड़ने वाली कपलिंग टूट गई और जोरदार धमाके के साथ शौचालय दो हिस्सों में टूट गया। धमाके से रेलवे स्टेशन पर अफरातफरी मच गई। हालांकि सभी सुरक्षित हैं रेलवे ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। न्यू दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्पेशल (04081) नाम की यह ट्रेन शनिवार सुबह ही नई दिल्ली से वैष्णो देवी के लिए रवाना हुई थी। गर्मी की छुट्टियों के चलते ट्रेन फुल चल रही थी। वैष्णो देवी स्पेशल ट्रेन सुबह ९ बजे लुधियाना रेलवे स्टेशन पर पहुंची। ट्रेन जैसे ही अगले स्टेशन के लिए चलने लगी तो ट्रेन की बोगी एस-टू के शौचालय में जोरदार धमाका हुआ। धमाके की आवाज सुनते

ही यात्रियों में भगदड़ मच गई और स्टेशन पर अफरातफरी फैल गई।

सूचना मिलते ही लुधियाना पुलिस, जीआरपी तथा आपीएफ की टीमें मौके पर पहुंची। लुधियाना के एडीसीपी समीर वर्मा ने बताया कि हादसे में कोई यात्री हताहत नहीं हुआ है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गेयर बदलते समय जब ईंजन ने बोगियों को आगे की तरफ खींचा तो यह कलंप टूट गया। ट्रेन के एस-2 कोच के वॉशरूम वाले हिस्से में अचानक दरार आ गई थी। यह कोई ब्लास्ट या विस्फोट नहीं था। घटना में किसी यात्री को चोट नहीं आई और सभी यात्री सुरक्षित हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी तरह की अफवाह फैलाने से बचें। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे में फिरोजपुर डिविजन के डीआरएम संजीव कुमार भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि जब ट्रेन चलने लगी तो एस-2 बोगी का एन पैनल ब्रेक हो गया। ट्रेन में तैनात स्टाफ ने गाड़ी रुकवा दी। एहतियात के तौर पर सभी यात्रियों को बाहर निकाला गया। उसके बाद चेक किया गया। दिल्ली से विशेषज्ञों की टीम को बुलाया गया है जो इसकी जांच करेगी।

अध्यापन से संबंधित समस्याओं को मुझ तक पहुंचाएं:बेसिक शिक्षा अधिकारी

एजेंसी

वाराणसी : आदर्श शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अमरेंद्र दुबे के नेतृत्व में वाराणसी के नवागत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेंद्र सिंह से उनके कार्यालय में अध्यापकों ने मुलाकात कर उनका पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने अध्यापकों से मिलकर अपील करते हुए कहा कि आपके कार्य स्थलों पर अध्यापन से संबंधित समस्याओं को मुझ तक पहुंचाएं। जिससे विभाग आपकी समस्या का समाधान कर सकें। बेसिक शिक्षा अधिकारी के स्वागत के बाद अध्यापकों ने माध्यमिक शिक्षा परिषद(बोर्ड ऑफिस) में नवागत अपर सचिव भास्कर मिश्र से उनके कार्यालय में मिलकर नए दायित्व के लिए बधाई और शुभकामना प्रेषित किया। भास्कर मिश्रा ने

अध्यापकों की बातों को सुना और हर संभव कार्य करने के लिए कहा। आदर्श शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अमरेंद्र दुबे ने कहा कि वाराणसी में शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर अधिकारियों से मिलने वाले दिशा निर्देश का पालन करने और अच्छी शिक्षा देने की उद्देश्य से अध्यापक कार्य करते हैं। आज अपने नवागत अधिकारियों से मिलकर उनका स्वागत कर हम लोगों ने परिचय किया है। आगे मिलने वाली दिशा निर्देश का हम पालन करेंगे।

मप्र में जमकर बरस रहा प्री-मानसून, आज 60 किमी की रफ्तार से चलेगी आंधी, 7 जिलों में ऑरेंज अलर्ट

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में मानसून की दस्तक से पहले ही प्री-मानसून गतिविधियां पूरे प्रदेश में जोर पकड़ चुकी हैं। बीते 24 घंटे में 20 से अधिक जिलों में तेज आंधी, गरज-चमक और बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने आज शनिवार को भी प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में ऐसा ही मौसम बने रहने की संभावना जताई है। राज्य के 52 जिलों में 40 से 60 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और बारिश होने का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने गुना, अशोकनगर, विदिशा, सीहोर, देवास, हरदा और बैतूल जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। यहां तेज आंधी, गरज-चमक और भारी बारिश की संभावना है। लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और खुले स्थानों से बचने की सलाह दी गई है। भोपाल-इंदौर समेत

कई जिलों में बारिश के आसार राजधानी भोपाल, इंदौर, रायसेन, राजगढ़, धार, बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा, खरगोन, उज्जैन, मंदसौर, शाजापुर, नर्मदापुरम, ग्वालियर, शिवपुरी, दतिया, मुरैना, भिंड, श्योपुर, जबलपुर, कटनी, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, सागर, दमोह, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी समेत कई जिलों में आंधी और बारिश की संभावना है। वहीं आलीराजपुर, झाबुआ और रतलाम में मौसम का असर अपेक्षाकृत कम रहने की संभावना है।

तीन साइक्लोनिक सकुर्लेशन से बदला मौसम

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार प्रदेश के ऊपर एक साथ तीन साइक्लोनिक सकुर्लेशन सक्रिय हैं। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से लगातार नमी मिलने के कारण प्रदेशभर में प्री-मानसून गतिविधियां तेज हो गई हैं। यही वजह है कि जून की शुरूआत में ही तेज आंधी और बारिश का दौर देखने को मिल रहा है।

तापमान में बड़ी गिरावट, पचमढ़ी से ठंडा रहा श्योपुर

लगातार आंधी और बारिश के कारण प्रदेश के अधिकांश शहरों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया। शुक्रवार को श्योपुर प्रदेश का सबसे ठंडा जिला रहा, जहां अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह तापमान प्रदेश के एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी (34.2 डिग्री) से भी कम रहा। भोपाल में 35.5 डिग्री, इंदौर में 35.1 डिग्री, उज्जैन में 35 डिग्री, ग्वालियर में 37.9 डिग्री और जबलपुर में 37.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। हालांकि खरगोन, खंडवा, नरसिंहपुर, खजुराहो और छिंदवाड़ा में तापमान 40 डिग्री के पार रहा।

20 से 22 जून के बीच प्रदेश में दस्तक दे सकता है मानसून

मौसम विभाग के अनुसार इस वर्ष मध्य प्रदेश में मानसून सामान्य तिथि से 5 से 7 दिन देरी से पहुंच सकता है। प्रदेश में मानसून के प्रवेश की सामान्य तिथि 15 जून मानी जाती है, लेकिन इस बार इसके 20 से 22 जून के बीच पहुंचने की संभावना है। केरल में मानसून 4 जून को पहुंच चुका है और सामान्यतः वहां पहुंचने के करीब 15 दिन बाद मध्य प्रदेश में मानसून प्रवेश करता है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल प्री-मानसून सिस्टम सक्रिय है, जिससे अगले कुछ दिनों तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में आंधी, बारिश और तापमान में राहत का दौर जारी रहने की संभावना है।

न्यूज IN ब्रीफ

निमार्णाधीन पीएसी बटालियन मे काम करते समय ऊंचाई से गिरे मजदूर की मौत

नोएडा : थाना ईकोटेक प्रथम क्षेत्र के लुक्सर के पास निमार्णाधीन पीएसी कैंपस के निर्माण कार्य में काम कर रहे एक मजदूर ऊंचाई से नीचे गिर गए। उन्हें गंभीर हालत में उपचार के लिए जिम्स अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उनकी मौत हो गई। थाना ईकोटेक- प्रथम के प्रभारी अरविंद कुमार वर्मा ने शनिवार को बताया कि पुष्पेंद्र (40) लुक्सर गांव के पास निमार्णाधीन पीएसी बटालियन के निर्माण कार्य में लगे थे। उन्होंने बताया कि काम करते समय शुक्रवार को वह ऊंचाई से नीचे गिर गए। उन्हें गंभीर हालत में उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा के जिम्स अस्पताल में भर्ती करवाया गया। उपचार के दौरान आज उनकी मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के परिजनों को घटना की सूचना देते हुए पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नगांव में लव जिहाद का आरोप, अविवाहित बताकर युवती से की शादी

नगांव (असम) : असम के नगांव जिले के बेबेजिया क्षेत्र की एक उच्चशिक्षित असमिया युवती ने एक युवक पर विवाहिता होने की बात छिपाकर उससे शादी करने और बाद में शारीरिक एवं मानसिक उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। स्थानीय स्तर पर इस मामले को लव जिहाद से जोड़कर देखा जा रहा है।आरोप के अनुसार, युवती का चलचली क्षेत्र के निवासी आश्वादुल इस्लाम नामक युवक के साथ प्रेम संबंध था। युवती का कहना है कि आश्वादुल ने स्वयं को अविवाहित बताकर उससे विवाह किया। बाद में युवती को पता चला कि आश्वादुल पहले से विवाहित है और एक बच्चे का पिता भी है। इस खुलासे के बाद दोनों के बीच विवाद उत्पन्न हो गया। युवती का आरोप है कि विवाह के बाद से ही उसके साथ शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना की जाती रही। घटना को लेकर क्षेत्र में व्यापक चर्चा है। कुछ स्थानीय संगठनों और लोगों ने इसे लव जिहाद का मामला बताते हुए जांचकर और दोषी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल, इस मामले में पुलिस की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से मजदूर की मौत

औरैया : मजदूरी कर बाइक से घर लौट रहे एक मजदूर की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फफूंद नगर के मोहल्ला लोधियान निवासी गौरव कुमार (26) मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। शुक्रवार को वह क्षेत्र के गांव चिरैयापुर में एक टैंक की सफाई करने गया था। देर रात काम समाप्त कर वह बाइक से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान औरैया मार्ग पर स्थित सुक्खू के अड्डा गांव के सामने किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने घायल युवक को सड़क पर पड़ा देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की सहायता से उसे आयुर्वेदिक चिकित्सालय चिचोली पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। मृतक अपने पीछे पत्नी और तीन छोटे बच्चों को छोड़ गया है। उसकी दो बेटियां परी (6 वर्ष) और चिंगी (2 वर्ष) हैं, जबकि एक पुत्र की उम्र मात्र एक माह है। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। दुर्घटना को अंजाम देने वाले अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

कैंसर पीड़ित ने फांसी लगाकर दी जान

औरैया: उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अयाना थाना क्षेत्र स्थित अंतौल गांव में शनिवार सुबह एक मजदूर का शव आम के पेड़ से चादर के फंदे पर लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। गांव निवासी मोहित कुमार ने बताया कि उनके बड़े भाई मुलायम सिंह उर्फ विजय प्रकाश (38) मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। करीब 15 वर्ष पूर्व उनका विवाह हुआ था। पिछले कुछ समय से वह कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित थे, जिसके चलते वह मानसिक रूप से भी परेशान थे। परिजनों के अनुसार शुक्रवार की रात उन्होंने परिवार के साथ भोजन किया और अपने कमरे में सोने चले गए। शनिवार सुबह जब परिवार के लोगों ने उन्हें बिस्तर पर नहीं देखा तो तलाश शुरू की। इसी दौरान शौच के लिए खेतों की ओर गई महिलाओं ने गांव के सुख सिंह डीलर के खेत में स्थित आम के पेड़ पर मुलायम का शव चादर के फंदे से लटका देखा। महिलाओं के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और परिजनों को सूचना दी गई। घटना की खबर मिलते ही मृतक की पत्नी लता, मां कांति देवी, पुत्र अमन समेत अन्य परिजन मौके पर पहुंच गए। शव देखते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों ने किसी तरह परिजनों को संभाला। सूचना पर पहुंची अयाना थाना पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल का निरीक्षण कराया। टीम ने मौके से आवश्यक साक्ष्य जुटाए और जांच-पड़ताल की। थानाध्यक्ष जयप्रकाश पाल ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। परिजनों ने बताया है कि मृतक लंबे समय से गंभीर बीमारी से परेशान था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

तृणमूल कांग्रेस में नेतृत्व विवाद तेज, शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने पेश किए विधायकों के हस्ताक्षर

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के भीतर नेतृत्व को लेकर चल रहे विवाद के बीच वरिष्ठ नेता शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने उन विधायकों के हस्ताक्षर सार्वजनिक किए हैं, जिन्होंने उन्हें विधानसभा में विपक्ष का नेता चुने जाने के समर्थन में सहमति दी थी। यह मामला अब राजनीतिक खींचतान का नया केंद्र बन गया है। सूत्रों के अनुसार, 30बी हरिश चटर्जी स्ट्रीट में छह जून की शाम आयोजित बैठक में कुल 67 विधानसभा सदस्य मौजूद थे। शोभनदेव चट्टोपाध्याय की ओर से प्रस्तुत दस्तावेज में सभी उपस्थित सदस्यों के हस्ताक्षर दर्ज हैं। इनमें कुछ ने हिंदी और कुछ ने अंग्रेजी में हस्ताक्षर किए हैं, साथ ही कई सदस्यों ने अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों के नाम और तारीख भी अंकित किए हैं। कुछ नाम बड़े अक्षरों में लिखे गए हैं, जिनमें महेशतला के शुभाशिष दास, बोलपुर के चंद्रनाथ सिन्हा, खड़गपुर के दीनन राय और कैनिंग पूर्व के बहारुल इस्लाम शामिल बताए जा रहे हैं। दस्तावेज के शीर्षक में लिखा गया है कि यह बैठक तृणमूल कांग्रेस के नवनिर्वाचित विधायकों के साथ विपक्ष के नेता, उपनेता और मुख्य सचेतक के चयन से संबंधित है। छह जून की बैठक के विवरण में यह भी दर्ज है कि बैठक की अध्यक्षता फिरहाद हकीम ने की थी। उनके नाम का प्रस्ताव अरूप राय ने रखा और चंद्रनाथ सिन्हा ने उसका समर्थन किया। वहीं, शोभनदेव चट्टोपाध्याय को दल का नेता बनाने का प्रस्ताव मदन मित्रा ने रखा, जिसे सभी उपस्थित सदस्यों ने समर्थन दिया। दस्तावेज में यह भी दावा किया गया है कि बैठक में उपस्थित न रहने वाले कुछ विधायकों ने भी अपने समर्थन की सहमति दी थी। वहीं, 19 तारीख की एक अन्य बैठक में 59 विधायकों के हस्ताक्षर दर्ज होने की बात भी सामने आई है।

न्यूज IN ब्रीफ

पीएम आवास को लेकर बीडीओ ने की बैठक

बरही : प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति, आधा अधुरा निर्माण को पूरा कराने और पंचायत में योग्य लाभुकों के चयन को लेकर बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता बीडीओ जयपाल महतो ने की। बैठक में बरही के सभी पंचायतों के मुखिया, पंचायत सचिव समेत पंचायत प्रतिनिधि शामिल थे। बीडीओ जयपाल महतो ने कहा कि पंचायत के सभी मुखिया और पंचायत प्रतिनिधि अधुरा निर्माण कार्य को पूर्ण कराएं, पीएम आवास योग्य लाभुकों को मिले इसके लिए पूरी पारदर्शिता बरती जाए।

नशा के कारण घर परिवार में रोज होती है लड़ाई : भाव सागरजी

हजारीबाग : परम पूज्य मुनिश्री धर्म सागर जी महाराज एवं मुनिश्री भाव सागर जी महाराज के सान्निध्य में शुक्रवार की प्रातः काल की बेला में दिगंबर जैन बड़ा बाजार मंदिर हजारीबाग में विशेष मांगलिक क्रियाएं मुनि श्री के सानिध्य संपन्न हुई। इस अवसर पर धर्म सभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री भावसागर जी महाराज ने कहा कि नशे के कारण व्यक्ति अपना जीवन नाश कर देता है।अंग्रेजों के द्वारा मदिरालयों की स्थापना भारतीय संस्कृति पर कुठाराघात है मदिरालयों से देश का भविष्य अन्धकार की ओर जा रहा है। युवा पीढ़ी का सर्वनाश हो रहा है। शराब ने मानवता को हलाल कर दिया है। शराब ने दुनियां को बेहाल कर दिया है। शराब से युवा लड़खड़ा जाते हैं, युवाओं के लड़खड़ाने से देश लड़खड़ा जाता है। शराब ने देश के प्रत्येक घर को अखाड़ा बना दिया है। मां-बाप, बच्चे और पत्नी के बीच रोज लड़ाई होती है।कत्लखानों में मनुष्य दूसरे प्राणियों को हलाल करता है । परन्तु मद्यखाने में मनुष्य स्वयं को हलाल करता है। भक्ति में डुबने वाले भगवान बनते हैं, शराब में डुबने वाले शैतान बनते हैं। शराब पीने वाला भगवान के नशे में गम भूल जाता है, परन्तु बदले में पूरा परिवार गम में डूब जाता है। बाप, बच्चे और पत्नी के बीच रोज लड़ाई होती है। मुनि श्री धर्म सागर जी महाराज ने कहा कि मंदिर आने के बाद संकल्प लेकर मंदिर में मे रहना चाहिए, सभी विकल्पों का त्याग करके मंदिर आना चाहिए। संध्या में महाआरती, जाप , भक्ति मुनि सेवा भक्तों की ओर से हुआ।

तप, तपस्या और त्याग का महापर्व है मंडा पूजा : राजकुमार महतो

बुढ़मू : चकमें में श्री शिव मण्डा पूजा समिति के बैनर तले दो दिवसीय मण्डा पूजा का आयोजन किया गया है, आज मध्य रात्रि फूलखुंदी एवं जागरण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। लगभग 400 की संख्या में भोक्ता एवं सोक्ताईनों ने आग के अंगारों के बीच नंगे पांव चलकर शिव उपासना का परिचय दिया। इस आयोजन में केंद्रीय मण्डा पूजा समिति, झारखंड के अध्यक्ष श्री राजकुमार महतो जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर विधिवत रूप से फिता काट कर मंच का उद्घाटन किऐ एवं महामंत्री श्री उदय पासवान जी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस आयोजन में केंद्रीय अध्यक्ष राजकुमार महतो ने कहा मण्डा पूजा में भक्ति और शक्ति के साथ अपनी सांस्कृतिक, धार्मिक विरासत है, जिसे बचाए रखने के लिए युवाओं को आगे आना चाहिए। भव्य मण्डा पूजा के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए केंद्रीय मण्डा पूजा समिति की ओर से समिति के पदाधिकारीयों को अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस आयोजन में श्री तपन कुमार महतो, श्री मनोज गोप, श्री आयुष कुमार, श्री शशि महतो, बादल जी मुख्य रूप से शामिल हुए तथा आयोजन को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष मनोज यादव, जी, दिवाकर प्रसाद, मुखिया रामवृत मुंडा जी, शंकर महतो आदि की भागीदारी रही।

बिष्टुपुर में पिस्तौल के साथ एक गिरफ्तार

जमशेदपुर : बिष्टुपुर पुलिस ने शनिवार सुबह बेली बोधनवाला घाट पर छापेमारी कर एक युवक को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी निहाल कुमार गुप्ता आदित्यपुर रोड नंबर 10 का रहने वाला है। आरोपी के पास से पुलिस ने एक पिस्तौल और एक गोली बरामद की है। शनिवार को एक प्रेस वार्ता के दौरान सिटी एसपी ललित मीणा ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि शनिवार सुबह एक युवक हथियार लेकर घूम रहा है। पुलिस ने तत्काल घाट पर छापेमारी की और आरोपी को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान युवक के पास से लोडेड पिस्तौल बरामद की गई। आरोपी पिस्तौल का इस्तेमाल रिल्स बनाने में करता था। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी के साथ और कौन कौन था।

डीसी ऑफिस में आम महोत्सव बिक्री सह प्रदर्शनी मेला शुरू

जमशेदपुर : समाहरणालय परिसर में आम महोत्सव बिक्री सह प्रदर्शनी मेला शुरू हो गया है। इसके तहत वहां कई स्टॉल लगाये गये हैं। अधिकांश स्टॉल पर आम्रपाली आम प्रदर्शित किया गया है। मनरेगा के तहत बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत की गई आम बागवानी को प्रोत्साहित और किसानों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से यह मेला आयोजित किया गया है। दरअसल पूर्वी सिंहभूम जिले में मनरेगा योजना के तहत किसानों को अपनी जमीन पर आम के पौधे लगाकर और उसे फलने लायक बनाकर दिया गया है। अब आम की बिक्री अधिक लाभप्रद हो, इसका इंतजाम जिला प्रशासन की ओर से किया गया है। उम्मीद है कि इस मेले के माध्यम से इस आम का अधिक प्रचार-प्रसार होगा और लोग बेहतर कीमत पर इसे खरीदेंगे जिससे किसानों को पर्याप्त लाभ होगा।

संपूर्ण क्रांति दिवस पर लोकनायक को किया गया नमन

धनबाद : संपूर्ण क्रांति दिवस के 52वीं वर्षगांठ पर लोकनायक स्मारक समिति धनबाद के तत्वावधान में जेपी चौक पर आयोजित कार्यक्रम में लोकनायक जयप्रकाश को याद किया गया। आज ही के दिन सन 1974 में जेपी आंदोलन के दौरान गांधी मैंदान पटना की सभा में लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने देश के संपूर्ण विकास के लिए सम्पूर्ण क्रांति की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि सात आयामों, राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक, सास्कृतिक, नैतिक व आध्यात्मिक स्तर पर सुधार करके ही हम संपूर्ण क्रांति के सपनों को साकार कर सकते हैं। मौके पर धनबाद के मेयर संजीव सिंह ने कहा कि संपूर्ण क्रांति दिवस लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और जनहित की रक्षा का संदेश देता है।जेपी का जीवन सादगीपूर्ण था जो आज भी प्रेरित करता है। भ्रष्टाचार, शिक्षा में सुधार, सामाजिक व राजनीतिक कुरितियों के खिलाफ शुरू आंदोलन बाद में पुरे देश में एक जन आंदोलन बना। मौके पर पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह, जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह, लोकनायक स्मारक समिति के सरंक्षक केबी सहाय, विजय झा, कृष्णलाल रूगंटा, श्यामा नंद त्यागी, लाल वर्मा, अरुण राय, जयकिशन, जावेद अख्तर, राजीव रंजन गोगो, गौतम मंडल, नीलम मिश्रा, बी सिन्हा, बिन्देश्वरी प्रसाद, अशोक बागी, नारायण महतो, राकेश सहाय, दीपक सिंह, अनुग्रह सिंह, संजय सिन्हा, वासुदेव गोस्वामी, प्रमोद गोयल, प्रकाश सिन्हा, मुकेश सिंह छोटू आदि मौजूद थे।

शीघ्र शुरू होगा पलामू किला का जीर्णोद्धार : राधाकृष्ण किशोर

संवाददाता

पलामू : पलामू किला का जीर्णोद्धार कार्य को अतिशीघ्र प्रारम्भ कराने के लिए वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर और क्षेत्रीय विधायक श्री रामचंद्र सिंह ने पर्यटन मंत्री श्री सुदिव्य कुमार सोनू से उनके सरकारी आवास स्थित कार्यालय में मुलाकात किया। पर्यटन मंत्री श्री सोनू ने पलामू किला क्र जीर्णोद्धार के लिए तैयार की जा रही योजना का ह्लपावरपॉइंट प्रस्तुतिकरणह्व दिखलाया।

अद्यतन स्थिति

पर्यटन मंत्री ने वित्त मंत्री और क्षेत्रीय विधायक को बताया कि पलामू किला के जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (उ्ढफ) तैयार कराया जा रहा है। संभावना है कि किले के जीर्णोद्धार के ऊपर 50-60 करोड़ रुपये राशि खर्च होगी। उ्ढफतैयार करने के पश्चात जीर्णोद्धार कार्य का निविदा आमंत्रित किया जाएगा। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने पर्यटन विभाग के उपस्थित पदाधिकारियों को कहा कि हर कीमत पर वर्ष 2028 तक पलामू जिला का जीर्णोद्धार का काम पूरा करा लिया जाए।

पलामू किला के महत्व के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए राधाकृष्ण किशोर ने पर्यटन मंत्री श्री सुदिव्य कुमार सोनू को बताया कि पलामू किला व्याघ्र अभयारण्य क्षेत्र में अवस्थित है। सन 1628 में चेरो वंश के राजा प्रताप राय ने किले का निर्माण कराया था। उसके बाद 1658 में राजा मेदीनिराय ने नए किले का निर्माण की शुरूवात की थी, जो पूरा नहीं हो सका। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर और क्षेत्रीय विधायक रामचन्द्र सिंह ने बताया कि किले के जीर्णोद्धार के बाद उसका सौंदर्यीकरण और लाइट एंड साउंड आदि की योजना भी प्रस्तावित है। श्री किशोर ने कहा कि आदिवासियों एवं पर्यटन के विकास के लिए ट्राइबल होम स्टे जैसी योजना, जिसमें पर्यटक कुछ दिन ठहर कर प्राकृतिक सौंदर्य के बीच आदिवासी सभ्यता एवं संस्कृति को करीब से देख सकते हैं।

अपनी बात सर हमें है आप पर गर्व

बिनय मिश्रा

दक्षिण पूर्व रेलवे को सर्वाधिक आय देने वाला चक्रधरपुर रेल मंडल के 33 वें वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक (सीनियर डीसीएम) के रूप में पदस्थापित रहने वाले आदित्य चौधरी के बेहतर और उत्कृष्ट कार्यो का ही यह परिणाम है कि माल वाहक ट्रेनों से आय के स्त्रोत काफी बेहतर और मजबूत हुए हैं तथा यात्री ट्रेनों के परिचालन की सुविधा बढ़ाने के लिए बेहतर ढ़ंग और सुचारू रूप से क्रियान्वयन श्री चौधरी की उपलब्धि और विशेषता में शामिल है। चक्रधरपुर रेल मंडल अधीन झारसुगुडा से लेकर चाकुलिया तक सभी रेलवे स्टेशन की बेहतर साफ सफाई और सुविधा यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए किए जा रहे कार्य निश्चित तौर पर उनकी उत्कृष्ट कार्य दक्षता का परिचायक है। दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक भी जब चक्रधरपुर रेल मंडल का निरीक्षण करने आए तो उन्होंने भी सीनियर डीसीएम श्री चौधरी के अधीन कार्यों को बेहतर और उत्कृष्ट तरीके से निष्पादित किए जाने पर इसे काफी बेहतर माना। ऐसे रेल अधिकारी से निश्चित तौर पर रेल मंडल और विभाग गौरवान्वित होते हैं।

डीसी ने आंगनबाड़ी केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने शनिवार को रामगढ़ प्रखंड अंतर्गत नावाडीहह-1 एवं नावाडीह 2 आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य केंद्रों में संचालित पोषण, शिक्षा, स्वच्छता एवं आधारभूत सुविधाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन करना था।इसी क्रम में उन्होंने पोषण ट्रैकर की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने स्टॉक रजिस्टर, उपस्थित बच्चों की संख्या, पोषण ट्रैकर में निबंधित लाभार्थियों से संबंधित जानकारी प्राप्त की।उन्होंने निर्देश दिया कि सभी अभिलेख समय पर अद्यतन एवं शुद्ध रूप से संधारित किए जाये।निरीक्षण के दौरान बच्चों के नाश्ते का समय रहने के कारण उपायुक्त श्री शेखावत ने स्वयं अपने हाथों से बच्चों को सूजी का हलवा परोसा तथा भोजन की गुणवत्ता, पोषण मानक एवं स्वच्छता की जांच की।इस दौरान उन्होंने बच्चों के बीच विभिन्न फल व टॉफी का भी वितरण किया।

उपायुक्त ने बच्चों के लर्निंग आउटकम का आकलन करने हेतु उनसे गिनती, सरल गणित एवं सामान्य ज्ञान से संबंधित प्रश्न पूछे। उन्होंने पाया कि बच्चों के बुनियादी शिक्षण स्तर में और सुधार की आवश्यकता है। इस पर उन्होंने आंगनबाड़ी सेविका एवं महिला पर्यवेक्षिका को निर्देश दिया कि बच्चों को रटने के बजाय समझ-आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाए।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने पेयजल, शौचालय एवं स्वच्छता व्यवस्था का भी गहन निरीक्षण किया। उन्होंने पेयजल स्रोत की उपलब्धता एवं उसकी स्वच्छता, जल की नियमित आपूर्ति, बच्चों हेतु सुरक्षित पेयजल की व्यवस्था की जांच की। साथ ही शौचालय की साफ-सफाई, उपयोग की स्थिति, जल उपलब्धता तथा बाल-अनुकूल व्यवस्था का अवलोकन किया। उन्होंने निर्देश दिया कि केंद्र परिसर में साफ-सफाई, कचरा निपटान एवं हाइजीन पर विशेष ध्यान दिया जाए ताकि बच्चों को स्वस्थ वातावरण मिल सके।

क्षेत्र भ्रमण के दौरान स्थानीय मुखिया द्वारा निमार्णाधीन चेक डैम के संबंध में मौखिक शिकायत प्रस्तुत की गई, जिसमें निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर प्रश्न उठाया गया। उपायुक्त ने संबंधित विभाग को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने वहां स्थापित सोलर जल मीनार का भी जायजा लिया तथा उसकी कार्यशीलता एवं जलापूर्ति की स्थिति की समीक्षा की।निरीक्षण के दौरान जिला समाज कल्याण पदाधिकारी,सेविका लिली रोशनी दांग,मॉयलोन टोपनो,सहायिका अनास्तासीया हेंब्रम एवं फुलमनी तीरु समेत अन्य मौजूद रहे।

विकास कार्यों के लिए पहचाने जाते हैं लोहरदगा के डीडीसी राज महेश्वरम

ज्योति पाठक

झारखंड प्रशासनिक सेवा के तेज तर्रार, कर्मठ और विकास कार्यों को धरातल पर उतारने के लिए हमेशा कटिबद्ध रहना लोहरदगा के नये उप विकास आयुक्त राज महेश्वरम की विशेषता और उपलब्धि है।

श्री महेश्वरम ने 34 वें उप विकास आयुक्त के रूप में अपना पदभार ग्रहण किया है इनका स्पष्ट कहना है कि

लोहरदगा जिला के सर्वांगीण विकास और जिला को बेहतर विकास गति प्रदान करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।श्री महेश्वरम की लंबी प्रशासनिक दक्षता और कार्य अनुभव को देखते हुए उन्हें जिला का डीडीसी बनाया गया है। गौरतलब हो कि इससे पूर्व श्री महेश्वरम जिला परिवहन पदाधिकारी पश्चिम सिंहभूम चाईबासा , धनबाद के लोकप्रिय अनुमंडल पदाधिकारी तथा लोहरदगा और गढ़वा के भी अनुमंडल पदाधिकारी रह चुके हैं। लोहरदगा के डीडीसी से पूर्व वे साहेबगंज और गढ़वा के एडीसी भी रह चुके हैं। ऐसे अधिकारी से निश्चित तौर पर जिला और राज्य गौरवान्वित होते हैं।

गलत अनुशंसा पर बगैर जांच के बनाए गए चार फर्जी प्रमाण पत्र

बसिया : बसिया प्रखण्ड के अंचल कार्यालय से कलिगा पंचायत कलिगा निवासी पूरन बड़ाईक पिता स्वर्गीय लेचा बड़ाईक , स्वाती बड़ाईक पिता पूरन बड़ाईक , कृष्णा बड़ाईक पिता स्वर्गीय लेचा बड़ाईक और भारती बड़ाईक पिता कृष्णा बड़ाईक के फर्जी गलत अनुसंशा और गलत खतियान वंसावली पेश कर अनुसूचित जनजाति का प्रमाण पत्र बन जाने की मामला से हड़कम्प मचा है। सभी अपनी अपनी चले कलम को बचाने में लगे है । और सिकायत पर लीपा पोती किये जाने की संभावना है। एसडीएम को दिए सिकायत पत्र में कहा गया है की बसिया अंचल में चीक बड़ाईक समाज की अंचल की निगरानी में पूर्ब से समिति गठित है। लेकिन कोनवीर की एक कथित फर्जी अपने को समाज की अध्यक्ष कहने वाली अनिता देवी ने कलिगा निवासी पूरन बड़ाईक , स्वाति बड़ाईक कृष्णा बड़ाईक और भारती बड़ाईक का बिना जाँच किये ही जाति प्रमाण पत्र के आवेदनों पर अनुसंशा कर डाला।

जिसका खामियाजा यह की ऐसे ही बिना जाँच पड़ताल के राजस्व कर्मचारी सीआई और कल्याण पदाधिकारी ने भी अनुसंशा किया और बसिया सीओ नरेश मुंडा के हस्ताक्षर से 21 जून और 22 जून2026 को प्रमाण पत्र इसु कर दिया गया। आवेदन में यह भी बताया गया है की आवेदक मूल रूप से कोलेबिरा प्रखण्ड के रामजडी आई डेगा पंचायत के निवासी है

जबकि चीक बड़ाईक से सम्बन्धित आवेदनों पर अतिसवेदन पूर्ण जाँच करना है और जब बसिया प्रखण्ड के नवनियुक्त लालू बड़ाईक चीक बड़ाईक समाज के अनुसंशा नही थे । तो क्यूँ आवेदन को फारवर्ड कर प्रमाण पत्र जारी की गयी । किसके दबाव में बनाये गए जाति प्रमाण पत्र

इस संदर्भ में चीक बड़ाईक समाज के अध्यक्ष लालू बड़ाईक ने कहा की मुझे मालूम था की आवेदक यहां के मूल निवासी नही है इस लिए मैंने कलिगा के आवेदक को वापस भी किया था

लेकिन एक दूसरी अपने को अध्यक्ष बोलने वाली महिला अनिता देवी का अनुसंशा किस आधार पर अंचल कर्मियों ने लिया इसकी जिम्मेदारी तो उनकी बनती है गलत है तो लोगो पर कार्यवाही कर प्रमाण पत्र निरस्त होने चाहिए

इस पूरे मामले पर सिकायत कर्ता शशी कान्त भगत पूर्व अनुसंशा समिति अध्यक्ष ने कहा कि कोनवीर की तथाकथित महिला अनिता देवी ने स्वयं को अध्यक्ष बताकर बहुत बार चीक बड़ाईक समाज के आवेदनों पर लोगो को बरगलाकर अनुसंशा किया । जिसकी जानकारी पूर्व में सीओ बसिया को दिया गया था । जिस पर रोक भी सीओ ने लगाया था किंतु जिला के एक बरिष्ठ अधिकारी के दबाव में फर्जी महिला को भी प्राथमिकता दे डाली जिसका यह नतीजा है की बिना जाँच के चार लोगों के फर्जी वंसावली में दमाद को पुत्र बना कर दरसाया गया और सभी के जाति प्रमाण पत्र बन गए जिसको निरस्त करने और अन्य संलिप्त लोगो पर कार्यवाही की मांग की गयी है।

देवघर में आम की बागवानी कर महिलाएं बन रही हैं आत्मनिर्भर

संवाददाता

देवघर : आम की बागवानी के क्षेत्र में देवघर अपनी पहचान बनाता जा रहा है। खासकर ग्रामीण महिलाएं जेएसएलपीएस से जुड़कर आम की बागवानी कर रही हैं और न केवल आम के मामले में शहर की मांग पूरी कर रही हैं, बल्कि अपनी आय भी बढ़ा रही हैं।

राज्य सरकार की बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत वर्ष 2018 में महिलाओं को प्रति एकड़ 112 आम के पौधे उपलब्ध कराए गए थे। मनरेगा के माध्यम से महिलाओं को आम की बागवानी में सहयोग दिया जा रहा है। शुरूआती दौर में खराब मिट्टी, पौधों के सूखने और कम उत्पादन जैसी कई चुनौतियां सामने आईं, लेकिन महिलाओं ने हार नहीं मानी। लगातार प्रयास का परिणाम है कि आज बागानों में पेड़ों में आम लदे हैं और महिलाएं बाजार में आम बेचकर आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं।

आम की बागवानी से महिलाएं हो रहीं सशक्त : रिखिया क्षेत्र के हिंदणा पूर्वी गांव की महिलाओं ने बताया कि इस वर्ष पहली बार उन्हें अपने बगीचे के आम बेचकर आय अर्जित करने का अवसर मिला है। पहले उन्हें अपने आम स्थानीय व्यापारियों को कम कीमत पर बेचनी पड़ती थी, जिससे पर्याप्त लाभ नहीं मिलता था। इस बार जिला प्रशासन की ओर से विभिन्न प्रखंडों में बिक्री स्टॉल लगाए गए हैं, जहां महिलाएं प्रतिदिन 1000 से 1200 रुपये तक की आमदनी कर रही हैं। महिलाओं ने बताया कि खेती आधारित उद्यम से उन्हें रोजगार और आय के नए अवसर मिले हैं। आम तोड़ने से लेकर बाजार तक पहुंचाने और बिक्री की पूरी जिम्मेदारी महिलाएं स्वयं निभा रही हैं।

स्थायी बाजार उपलब्ध कराने की मांग

वहीं आम की बागवानी से जुड़ी महिलाओं ने बताया कि वर्तमान में जगह-जगह स्टॉल लगाकर आम की बिक्री करनी पड़ती है। अब तक आम की बिक्री के लिए एक स्थाई बाजार नहीं मिल पाया है। यदि स्थायी बाजार मिल जाए तो आम की बागवानी से और भी लाभ होगा।

जेएसएलपीएस निभा रही महत्वपूर्ण भूमिका

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में जेएसएलपीएस की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जेएसएलपीएस के डीपीएम सुशील दास ने बताया कि देवघर में आम की बागवानी महिलाओं के लिए चुनौतीपूर्ण थी, लेकिन लगातार मार्गदर्शन और सहयोग से आज 100 से अधिक महिलाएं शहर के विभिन्न स्थानों पर स्टॉल लगाकर आम बेच रही हैं। आने वाले दिनों में ऐसे स्टालों की संख्या में भी बढ़ोतरी होगी। वर्ष 2018 से अब तक करीब 3000 महिलाओं को आम की बागवानी से जोड़ा गया है, जिनमें लगभग 500 महिलाएं सक्रिय रूप से आम उत्पादन और बिक्री के माध्यम से अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं।वहीं महिलाओं की सफलता की सराहना करते हुए उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया और डीडीसी पीयूष सिन्हा ने कहा कि भविष्य में इन महिलाओं को और बेहतर बाजार उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि देवघर की पहचान भी देशभर में आम उत्पादन के लिए स्थापित हो सके।